सुविचार

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।

अज्ञात

दैनिक रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times | 7509202320 | @revanchal_times | revanchaljabalpur@gmail.com | revanchaltimes_

वर्ष 3 ■ अंक 91 ■ जबलपुर, शनिवार 28 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

पेट्रोल-डीजल पर केंद्र सरकार ने दी बड़ी राहत,

10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की। वित्त मंत्रालय ने आज जारी अधिसूचना में बताया कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आम लोगों को मूल्य वृद्धि से बचाने के लिए यह कटौती की गई है। इसकी जानकारी संसद को भी दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि के कारण तेल विपणन कंपनियों पर दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम बढ़ाने का दबाव था। उत्पाद शुल्क में कटौती से उन्हें राहत मिलेगी। यह कटौती सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों द्वारा नेपाल, भूटान, श्रीलंका और बांग्लादेश को किये जाने वाले निर्यात पर भी लागू होगी। इसके अलावा, सरकार ने डीजल के निर्यात पर 21.5 रुपए और विमान ईंधन के निर्यात पर 29.5 प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। विशेष उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल पर विशेष उत्पाद शुल्क शून्य है, जबकि डीजल पर 18.5 रुपए प्रति लीटर है।

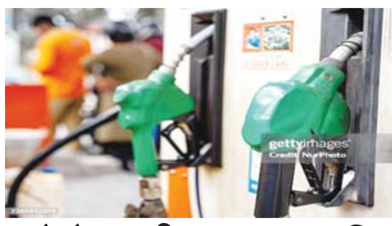

पेट्रोल-डीजल पर इसलिए घटाया उत्पाद शुल्क

पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती पर उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने एक बैठक की, जिसमें यह तय किया गया कि पेट्रोल, डीजल और एटीएफ (विमान ईंधन) की कोई कमी नहीं होनी चाहिए और वैश्विक स्थिति के कारण इनकी कीमतें नहीं बढ़?ी चाहिए। आज, हमने एक फैसला लिया है, जिसके तहत हम तेल विपणन कंपनियों (सभी ओएमसी) को मदद देंगे ताकि वे कच्चा माल आयात कर सकें, और आम लोगों को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी भी बढ़ोतरी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पेट्रोल या डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी न हो। यहाँ तक कि एटीएफ के लिए भी, हम यह पक्का कर रहे हैं कि कीमतें ऊपर न जाएं।

पुलिस से बचकर भागी स्कॉर्पियो ने परिवार को कुचला;5 मौतें

ई-रिक्शा को टक्कर मारने के बाद भाग रही थी, पीछे से ऑटो को रौंदा

ग्वालियर। ग्वालियर के परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों सहित चार लोग घायल हैं। वहीं गंभीर हेड इंजरी की वजह से ऑटो ड्राइवर की हालत भी नाजुक है। हादसा शुक्रवार तड़के 3 बजे उस समय हुआ, जब ऑटो में सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, उसमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चश्मदीद भूरा के मुताबिक, स्कॉर्पियो ने बस स्टैंड पर एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी थी। उसके पीछे पुलिस लगी थी। भागते समय स्कॉर्पियो ने रास्ते में ऑटो को भी टक्कर मार दी। एसपी धर्मवीर यादव के मुताबिक, दो बच्चे, एक महिला और ऑटो ड्राइवर राजेश कुमार ट्रॉमा सेंटर में एडमिट हैं। स्कॉर्पियो चालक अमन शर्मा का मेडिकल टेस्ट करा रहे हैं। वहीं थाटीपुर थाने की पुलिस ने एमपी 21 जेड ई 5911 नंबर की स्कॉर्पियो जब्त कर ली है। इसके आगे का कांच टूट चुका है। सभी एयरबैग भी खुले हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी मृतक एक ही शाक्य परिवार के हैं, जो मुरार के घास मंडी और थाटीपुर की सरकारी मल्टी में रहते हैं। कल शुभम के बेटे आरव का जन्मदिन था। वे परिवार के साथ दोपहर 12 बजे करौली माता मंदिर, फिर स्थानीय वैष्णों देवी मंदिर गए। शाम को घर में बर्थडे मनाने के बाद रात 10 बजे शीतला माता के दर्शन करने चले गए थे।

सरकार ने कहा- देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

एलपीजी प्रोडक्शन 40% बढ़ा

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में लॉकडाउन की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरी 100 फीसदी और उससे ज्यादा कैपेसिटी से ऑपरेट कर रही हैं। देश में एलपीजी प्रोडक्शन 40% बढ़ा है। 14 मार्च से अबतक 30 हजार कॉमर्शियल एलपीजी दी जा चुकी है। रेस्टोरेंट, ढाबों को तवज्जो दी गई है। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी का गठन किया है। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ अन्य मंत्री शामिल हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय की 5 बड़ी बातें

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत की कच्चे तेल (क्रूड), एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति पर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड के साथ-साथ अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में अगले दो महीनों के लिए पर्याप्त क्रूड स्टॉक उपलब्ध है और एलपीजी व पीएनजी की स्थिति भी संतोषजनक है।

भारत की आयात निर्भरता अधिक होने के कारण जहां लगभग 90% एलपीजी आयात होर्मुज के रास्ते आता है। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। शुरूआत में कमर्शियल सप्लाई रोक दी गई थी, जिसे बाद में धीरे-धीरे बहाल किया गया, पहले 20%, फिर ढठ्ऋ विस्ताराइ को ध्यान में रखते हुए 10% और बढ़ाया गया, इसके बाद 50% और अब 70% तक कर दिया गया। 14 मार्च से अब तक लगभग 30,000 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है।

सरकार ने इन फैसलों के दौरान यह तय किया कि रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन और प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता मिले। इसके अलावा स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, डाई, केमिकल और प्लास्टिक उद्योगों के लिए भी प्राथमिकता तय की गई। प्रवासी मजदूरों के लिए करीब 30,000 छोटे 5 किलो वाले सिलेंडर भी वितरित किए गए।

सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में क्रूड, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और एलपीजी, एलएनजी व पीएनजी की सप्लाई भी पूरी तरह सुरक्षित है। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं, लेकिन वास्तव में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। भले ही भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर से ऊपर चली गई हो, सरकार ने यह तय किया कि किसी भी उत्पाद की कमी न हो।

उन्होंने कहा कि कल लगभग 3 हजार रेड हुई हैं,

1500 सिलेंडर जब्त हुए हैं। 350 डिस्ट्रीब्यूटर्स को शोकॉज नोटिस दिए गए हैं। हमारे पास पर्याप्त सप्लाई है। अफवाहों पर ध्यान न दें, जितनी जरूरत हो उतना ही खरीदें। पेट्रोल पंप पर लंबी लाइनें न लगाएं।

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा

लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के चार दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। शुक्रवार को सरकार के तीन मंत्रियों ने इसे नकाराङ्ग

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- ये सब कौन अफवाह उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। जमाखोरियों को चेतावनी दी है। राज्य सरकारों से कहा है कि कोई भी होर्डिंग न करे। भारत सरकार के कंट्रोल में पूरी स्थिति है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। इस तरह की स्थिति में अफवाह फैलाना और बेवजह डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुझे हैरानी है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और फ्यूल की कमी होगी। ये बेबुनियाद बातें हैं। राजनीतिक डोमेन में बैठे लोगों की तरफ से ऐसी बातें चिंता की बात हैं। कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मैं लोगों को भरोसा दिलाना चाहती हूं कि कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा।

उज्जैन में बारातियों से भरी बस पलटी, 15 घायल

उज्जैन। उज्जैन के इंगोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर गांव के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इंदौर से खाचरोद जा रही बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में लगभग 18 लोग घायल हो गए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में बस चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस पलट गई। हादसे के वक्त बस में बड़ी संख्या में बाराती सवार थे। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका प्राथमिक उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत को देखते हुए 5 एंबुलेंस उज्जैन अस्पताल रवाना किया गया।

घायलों में 13 महिलाएं: नायब तहसीलदार प्रियंका जैन ने बताया कि हादसे में कुल 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 महिलाएं, 4 बच्चे और 1 पुरुष शामिल है। इनमें से 8 घायलों को उज्जैन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज खाचरौद के अस्पताल में जारी है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस विधायकों में हाथापाई

राहुल को पप्पू कहा; खामेनेई की तस्वीर लहराई, सीएम अब्दुल्ला बोले- ईरान पर अवैध युद्ध थोपा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर प्रदर्शन हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता खामेनेई की तस्वीर लेकर सदन के अंदर पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओ ने खामेनेई के पोस्टर भी लहराए। इस बीच, सदन में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच धक्का-मुक्की का भी वीडियो सामने आया। हालांकि, ये विवाद भाजपा नेताओं के राहुल पर कमेंट को लेकर था। कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने कहा, ह्यराहुल गांधी पप्पू हैं। इसके बाद दोनों नेताओं में हाथापाई होने लगी। वहीं, ईरान युद्द पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा- जिस तरह ईरान पर यह युद्ध थोपा गया, उसके समर्थन में कोई खड़ा नहीं होगा।

10 दिन तक ईरान के ऊर्जा संयंत्र पर हमला नहीं करेगा अमरीका

वाशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सरकार के अनुरोध पर उन्होंने ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की प्रक्रिया को 10 दिनों के लिए रोक दिया है। श्री ट्रंप ने कहा कि वह इस प्रक्रिया को छह अप्रैल को पूर्वी समयानुसार रात आठ बजे तक के लिए स्थगित कर रहे हैं। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरानी सरकार के अनुरोध पर, मैं ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की अवधि को 10 दिनों के लिए सोमवार, छह अप्रैल को रात आठ बजे (पूर्वी समय) तक रोक रहा हूं। उन्होंने दोहराया कि बातचीत जारी है और फर्जी मीडिया और अन्य लोगों द्वारा इसके विपरीत दिए गए गलत बयानों के बावजूद, यह बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि ईरान लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत चल रही है।

भाजपा को 2024-25 में मिला सबसे ज्यादा चंदा

रिपोर्ट में खुलासा, शेष राष्ट्रीय पार्टियों के कुल चंदे से 10 गुना से ज्यादा

नई दिल्ली। नई दिल्ली से सामने आई एक रिपोर्ट ने देश की राजनीतिक फंडिंग को लेकर कई अहम खुलासे किए हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में 161 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 20 हजार रुपए से ज्यादा के कुल चंदे की राशि 6,648.563 करोड़ रुपए रही, जो 11,343 दान के माध्यम से मिली। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। बीजेपी को अकेले 6,074.015 करोड़ रुपए 5,522 दान के जरिए प्राप्त हुए। दूसरे स्थान पर इंडियन नेशनल कांग्रेस रही, जिसे 517.394 करोड़ रुपए 2,501 दान से मिले। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीजेपी को मिला चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सीपीआई (एम) और नेशनल पीपल्स पार्टी के कुल चंदे से 10 गुना ज्यादा है। वहीं बसपा ने एक बार फिर यह घोषणा की कि उसे 20 हजार रुपए से ज्यादा का कोई चंदा नहीं मिला। पार्टी पिछले 19 सालों से इसी नीति का पालन कर रही है। अगर कुल चंदे की तुलना पिछले साल से की जाए, तो 2024-25 में 4,104.285 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीजेपी के चंदे में 171 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो 2023-24 में 2,243.947 करोड़ रुपए था। कांग्रेस के चंदे में भी 84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह राशि 2023-24 में 281.48 करोड़ रुपए से बढकर 2024-25 में 517.394 करोड़ रुपए हो गई। अन्य दलों में आम आदमी पार्टी को 27.044 करोड़ रुपए मिले, जिसमें 244 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं एनपीईपी को 1.943 करोड़ रुपए मिले, जिसमें 1,313 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि राजनीतिक फंडिंग में कॉरपोरेट सेक्टर का दबदबा बना हुआ है। कुल चंदे में से 6,128.787 करोड़ रुपए कॉरपोरेट दान से आए, जो 92.18 प्रतिशत है। यह राशि 3,244 दान के जरिए मिली। वहीं व्यक्तिगत दानदाताओं का योगदान 505.66 करोड़ रुपए रहा, जो 7,900 दान के जरिए आया और कुल चंदे का 7.61 प्रतिशत है। बीजेपी को कॉरपोरेट सेक्टर से सबसे ज्यादा 5,717.167 करोड़ रुपए मिले।

नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बने बालेंद्र शाह

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के संसदीय दल के नेता बालेंद्र शाह को नेपाल का 47वां प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति कार्यालय से शुक्रवार को उनकी नियुक्ति की औपचारिक घोषणा के साथ ही नए मंत्रिमंडल के गठन की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। श्री शाह को प्रतिनिधि सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता के रूप में संविधान की धारा 76 (1) के तहत यह पद सौंपा गया है। वह काठमांडू महानगर पालिका के मेयर पद से इस्तीफा देकर राजनीति के राष्ट्रीय पटल पर उतरे और लोगों ने उन पर भरोसा जताया। हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद श्री शाह पहली बार संसद सदस्य के रूप में प्रवेश करते ही देश के कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। पेशे से इंजीनियर और लोकप्रिय सांस्कृतिक पहचान रखने वाले शाह के नेतृत्व में नेपाल में एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत मानी जा रही है।

ईरान में जंग के लिए 10 लाख सैनिक तैयार

अमेरिका से जमीनी लड़ाई की तैयारी, सेना में युवाओं की भर्ती तेज हुई

तेल अवीव। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने 10 लाख से ज्यादा ग्राउंड सैनिक जुटाने का दावा किया है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका जमीनी हमला कर सकता है। इसके चलते युवाओं में सेना में भर्ती की होड़ बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बड़ी संख्या में युवा बसीज, रिवोल्यूशनरी गार्ड और सेना में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे हैं। वहीं, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हो सकती हैं। यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और 2,000 पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे। ये पैराट्रूपर्स 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं। ईरान जंग से रूस को

फायदा, महंगे तेल से मुनाफा कमा रहा

ईरान युद्ध के चलते बढ़ी तेल कीमतों ने रूस की कमजोर पड़ रही अर्थव्यवस्था को राहत दी है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक

उरक्र के विशेषज्ञ बेन काहिल ने कहा, ह्लईरान संघर्ष का सबसे बड़ा फायदा रूस को हो रहा है ह्व उनके मुताबिक, रूस अब पहले सस्ते में बिकने वाले अपने कच्चे तेल को पूरी बाजार कीमत पर बेच पा रहा है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक गैस और खाद (फर्टिलाइजर) की वैश्विक कमी भी रूस को फायदा पहुंचा सकती है।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- अमेरिका और इजराइल ने जबरन युद्ध थोपा

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक में अमेरिका और इजराइल पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया। यह बैठक ईरान, चीन और क्यूबा के अनुरोध पर बुलाई गई थी, जिसमें मिनाब शहर के एक स्कूल पर हुए हमले का मुद्दा उठाया गया।

अराघची ने कहा, ईरान दो परमाणु ताकत वाले देशों, अमेरिका और इजराइल द्वारा थोपे गए गैरकानूनी युद्ध का सामना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 फरवरी को यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीतिक बातचीत चल रही थी। उनके मुताबिक, अमेरिका ने दूसरी बार बातचीत की प्रक्रिया को तोड़ा। उन्होंनें बताया कि पूरे ईरान में 600 से अधिक स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, और 1,000 से ज्यादा छात्र और शिक्षक मारे गए या घायल हुए।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग | जॉब वर्क | न्यूज पेपर | पीडीएफ

संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

मंडला में दर्दनाक सड़क हादसा: दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में युवक की मौत, पत्नी सहित दो गंभीर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दूसरी बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दंपती जवारे पूजन के लिए जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार से आ रही दूसरी बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सवार सड़क पर दूर जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, मृतक की पत्नी और दूसरी बाइक सवार युवक का गंभीर हालत में उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है तथा मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई है। बताया जा रहा है कि दंपती धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में ही यह दुखद हादसा हो गया।

अपील:

पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क पर सावधानी बरतें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

छात्र-छात्राओं ने बिनैका में चलाया स्वच्छता अभियान, निकाली नशा मुक्ति रैली

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बिनैका में किया जा रहा है। शिविर के दूसरे और तीसरे दिन छात्र-छात्राओं ने न केवल श्रमदान किया, बल्कि सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया। स्वयंसेवकों ने ग्राम बिनैका की माध्यमिक शाला और आंगनवाड़ी परिसर की सघन सफाई की। इस दौरान प्लास्टिक और कागज के कचरे को एकत्रित कर डस्टबिन में डाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती और स्वामी विवेकानंद जी के पूजन के साथ किया गया। शिविर के दौरान ग्राम विकास संयोजक श्री नैनसुख द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की दिनचर्या, जीवन शैली, मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक विकास की दृष्टि से छात्र-छात्राओं को योगासन, खेल, पीटी का अभ्यास कराया गया एवं देशभक्ति गीत ह्लहम युवा हैं हम करें मुश्किलों का सामनाह्ल का गायन कराया गया। इस दौरान छात्रों ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योगाभ्यास, व्यायाम और विभिन्न खेलों का अभ्यास किया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी श्री प्रवीण अग्रवाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्यों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। तीसरे दिन नशे के दुष्प्रभावों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए ह्लनशा मुक्ति रैलीह्ल निकाली गई। यह शिविर प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल संचालन में ग्राम सरपंच श्रीमती अनसुईया बाई एवं श्री संजय धनगर, श्री मुकेश चौरसिया, श्रीमती मातेश्वरी परस्ते और श्रीमती मंजू चंन्द्रोल का विशेष योगदान रहा। ग्रामीणों ने भी छात्रों के इस सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान : जिला परियोजना अधिकारी ने किया निवास परियोजना का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए प्रशासनिक सक्रियता बढ़ गई है। इसी क्रम में आज जिला परियोजना अधिकारी श्री उमेश सिंगरौली द्वारा परियोजना क्रमांक-2 निवास क्षेत्र का सघन भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जिला परियोजना अधिकारी श्री सिंगरौली ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में अभियान के तहत चल रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों और संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संरचनाएं ऐसी हों जिनकी भविष्य में वास्तविक उपयोगिता सिद्ध हो सके और वे जल स्तर सुधारने में सहायक बनें। निरीक्षण के दौरान जिला परियोजना अधिकारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गिरते भू-जल स्तर को रोकना और पारंपरिक जल स्त्रोतों को सहेजना है।

कलेक्टर की संवेदनशील पहल: घर तक पहुंचीं प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। एक युवा की छोटी-सी समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए ऐसा समाधान कराया, जिसने न सिर्फ उस युवक की राह आसान की, बल्कि प्रशासन के प्रति भरोसा भी मजबूत किया। जानकारी के अनुसार, अंजनिया तहसील के ग्राम मांद निवासी युवक अंकित श्रीवास ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक पुस्तकों के अभाव की समस्या मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष रखी थी। युवक ने बताया कि संसाधनों की कमी के कारण उसकी तैयारी प्रभावित हो रही है। मामले की गंभीरता को समझते हुए कलेक्टर मिश्रा ने तुरंत संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि युवक को आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रतिभाशाली युवा की तैयारी केवल संसाधनों के अभाव में बाधित नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर के निदेर्शों का त्वरित पालन करते हुए गुरुवार को शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम स्वयं युवक के घर पहुंची और उसे प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध कराईं। इस टीम में तहसीलदार अंजनिया अजय श्रीवास्तव, सहायक संचालक शिक्षा विभाग एल.एस. मसराम और एपीसी मुकेश पांडेय शामिल रहे। युवक अंकित श्रीवास ने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब वह पूरी लगन के साथ अपनी तैयारी कर सकेगा। इस पहल से उसके अंदर नया आत्मविश्वास जगा है। यह पहल न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दशार्ती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि शासन आमजन की समस्याओं के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। ऐसे प्रयास न केवल युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, बल्कि उनके सपनों को साकार करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

होमगार्ड जवानों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट मंडला एवं जिला आयुष अधिकारी मंडला के मार्गदर्शन में आयुष विभाग द्वारा होमगार्ड जवानों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन होमगार्ड लाइन मंडला में गुरूवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक किया गया। शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आशीष खरे डिविजनल कमांडेंट जबलपुर द्वारा धन्वंतरि पूजन से किया गया। इस दौरान शिविर में 80 लाभार्थी, जिसमें 12 महिला एवं 68 पुरूष ने लाभ प्राप्त किया। सभी का निःशुल्क चिकित्सा, जाँच व परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। साथ ही हितकर आहार-विहार, योग-आसन व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की भी सलाह दी गयी। शिविर में प्रभात तिवारी प्लाटून कमांडर, हेमराज परस्ते प्लाटून कमांडर, सुरेश बंसोड़ एच.आई., कोमल प्रसाद हवलदार, डॉ. ममता धुर्वे (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधि.), डॉ. शेरसिंह कुड़पे (आयु. चिकि.अधि), डॉ. दिलीप झरिया (होम्यो.चिकि. अधि.), डॉ. एकता वाल्को (आयु.चिकि. अधि.), डॉ. शबनम परवीन (यूनानी.चिकि. अधि.), डॉ. सुनील भांवरे (आयु.चिकि. अधि.), राजेश अमपुरी (यूनानी कम्पाउन्डर), कुमारी निशा तिवारी (आयुर्वेद कम्पाउन्डर), श्रीमती पार्वती नायकर (स्टाफ नर्स), अशोक बैरागी (वार्ड ब्यॉय) एवं अंकित झारिया (वॉशरमैन) समस्त स्टॉफ ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

कार्यवाहक निरीक्षक को सीएम हेल्पलाईन के निराकरण में 94.78% वेटेज स्कोर के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने फरवरी माह के सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में कार्यवाहक निरीक्षक गृह (पुलिस) विभाग श्रीमती अनीता कुड़ापे को 94.78 प्रतिशत वेटेज स्कोर के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिकायत के निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

9 माह बाद पुलिस को सफलता: दो फरार शराब तस्कर गिरफ्तार, दो आरोपी अब भी फरार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। अवैध शराब तस्करी के मामले में मंडला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। करीब 9 महीने से फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मामले के दो अन्य आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला अवैध शराब के परिवहन और तस्करी से जुड़ा हुआ है। कार्रवाई के दौरान पहले कुछ आरोपियों को पकड़ा गया था, लेकिन चार आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इनमें से दो को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसमें शराब तस्करी के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह के तार अन्य जिलों से भी जुड़े हो सकते हैं, जिसकी जांच की जा रही है। वहीं, फरार दो आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज है। उन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस कार्रवाई को मंडला पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, वहीं प्रशासन ने साफ किया है कि अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी।

राम नवमी पर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखण्ड मंडला द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान जल शक्ति से नव भक्ति अभियान अंतर्गत जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन राम नवमी के उपलक्ष्य में नवांकुर संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों के सहयोग से किया गया। इस दौरान सनातन वैदिक गुरुकुल एवं गौशाला संरक्षण समिति जिलहरी घाट, धेनु बाड़ी गौरक्षण समिति अचली एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति देवदरा में जल मंदिर प्याऊ की स्थापना की गई। जिला समन्वयक श्री राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि प्याऊ (जल सेवा) गर्मी के मौसम में राहगीरों की प्यास बुझाने का एक पुनीत और सामाजिक कार्य है। विकासखण्ड समन्वयक श्री संतोष कुमार झारिया ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

31 मार्च तक बंद रहेगा ई-विकास पोर्टल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ई-विकास पोर्टल पर 28 मार्च से 31 मार्च तक सभी प्रकार के उर्वरकों के लिए टोकन निर्माण सेवाएं बंद रहेंगी। आगामी 1 अप्रैल से ई-विकास प्रणाली के माध्यम से प्रदेश में उर्वरक वितरण सुनिश्चित किया जाना है। मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा ई-विकास पोर्टल शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराना है। इस पोर्टल के माध्यम से किसान अपनी भूमि और फसल की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

जिले के ब्लाकों में चल रहा वित्तीय साक्षरता शिविर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अंतर्गत सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया मंडला से प्रायोजित समर्पित संस्था सीएफएल मंडला के द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को बैंक की योजनाओं से जोड़ना एवं जो लोग भविष्य में आपने लिये पैसे नहीं बचा पाते उनको अटल पेंशन योजना से जोड़कर उनके आने वाले समय जब वे 60 वर्ष के हो जाएंगे और कमाने की स्थिति में नहीं होंगे तब अटल पेंशन की पेंशन योजना उनके बुढ़ापे का सहारा बने, इस योजना से जुड़कर उनको 1000 से 5000 रूपए तक की पेंशन योजना का लाभ मिलेगा। पति की पेंशन से पत्नी को भी लाभ दिया जाएगा। समर्पित गरीबी उन्मूलन अनुसंधान केंद्र ने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत रूप से जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की और बताया कि महिलाएं अपने जरुरत के हिसाब से ही कर्ज लें और समय पर वापसी करें। ज्ञातब्य हो कि उक्त कार्यक्रम का आयोजन मंडला जिले के समर्पित संस्था के ब्लॉक काउंसलर के द्वारा ग्राम पंचायतों के सहयोग से किया गया।

चैत नवरात्रि की धूम, मां अंबे के दिव्य दरबार में उमड़ा आस्था का जन सैलाब, भक्ति का अद्भुत नजारा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। चैत नवरात्रि का पावन पर्व पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में कोयलांचल नगरी अमलाई के बस स्टैंड स्थित शंकर मंदिर प्रांगण में इन दिनों भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है, जहां मां अंबे अपने दिव्य और मनमोहक स्वरूप में विराजमान हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से सुसज्जित किया गया है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। यहां मां अंबे के साथ भगवान शिव, मारुति नंदन हनुमान एवं राम दरबार के दर्शन कर श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के नौ दिनों तक चलने वाले इस विशेष पर्व में प्रतिदिन मां का अलग-अलग स्वरूप में श्रृंगार किया जा रहा है। श्रद्धालु सुबह से लेकर देर रात तक मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना, जप-तप और भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। आयोजन से जुड़े राजेश मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक दिन विशेष पूजा और भव्य श्रृंगार के माध्यम से मां की आराधना की जा रही है, जिससे भक्तों में उत्साह और आस्था का संचार हो रहा है। महाष्टमी के अवसर पर मंदिर प्रांगण में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती के दौरान पूरा वातावरण ह्लजय माता दीह्व के जयकारों से गूंज उठा और भक्त भक्ति भाव में झूमते नजर आए। इस अवसर पर विशेष रूप से नगर की मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में महिला मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिनमें प्रमुख रूप से सुषमा केसरवानी, सुमन राय, अंजू केसरवानी, रीना यादव, माया गुप्ता, सरिका गुप्ता, उमा केसरवानी, आरती केसरवानी, संगीता केसरवानी, राधा केसरवानी, शिवानी केसरवानी, ज्योति शर्मा, गुंजन गुप्ता, आरती गर्ग, निशा गुप्ता, रश्मि केसरवानी एवं शिल्पा पांडे एवं किशोरी लाल केशरवानी सुमित केसरवानी राधे केसरवानी बबलू यादव अभय गोविंद चीकू लाला रवि सिंह का योगदान सराहनीय रहा। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि इस तरह के धार्मिक आयोजन न केवल आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और भाईचारे का संदेश भी देते हैं।

अवैध रेत उत्तखनन एवं परिवहन पर पुलिस ने की कार्यवाही, 2 ट्रैक्टर किया जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले थाना भालूमाड़ा की पुलिस टीम द्वारा अवैध रेत उत्खनन कर ट्रेक्टर ट्राली में लोड कर परिवहन करने वालों पर कार्यवाही करते हुए 26 मार्च 2026 के रात्रि में छिडमिडी भाद रोड में नाकाबंदी कर दो नीले रंग के सोनालिका ट्रेक्टर जिसमे एक बिना नम्बर का ट्रेक्टर को रोक चेक किया गया, जिसके ट्राली में 03 घन मीटर अवैध रेत लोड था, ट्रेक्टर चालक रामपाल चन्द्रा पिता रामशरण चन्द्रा उम्र 26 वर्ष निवासी लोहारी थाना मरवाही जिला जी.पी.एम. (छ.ग.) द्वारा बिना टीपी के रेता (खनिज) शिव घाट सोन नदी बरौर से ग्राम भाद ले जाना बताया। आरोपी ट्रेक्टर चालक रामपाल चन्द्रा द्वारा अवैध रुप से ट्रेक्टर के ट्राली में 03 घन मीटर रेत (खनिज) कीमती 6000 रुपये लोड कर परिवहन करते पाये जाने पर उक्त आरोपी ट्रेक्टर चालक के कब्जे से ट्रेक्टर मय ट्राली जप्त कर थाना लाकर सुरक्षार्थ खडा कराया गया, आरोपी चालक रामपाल चन्द्रा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 95/2026 धारा 303(2), 317(5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम का कायम कर विवेचना में लिया गया, वही दूसरा ट्रेक्टर क्रमांक उऋ31 इ 7537 नीले रंग का सोनालिका ट्रेक्टर को रोक कर चेक किया गया तो ट्रेक्टर ट्राली में 03 घन मीटर कीमती 6000 रुपये का खनिज रेता लोड था तथा चालक भुवनेश्वर सिंह पाव पिता कलम सिह पाव उम्र 26 वर्ष निवासी लोहारी थाना मरवाही जिला जीपीएम (छ.ग.) का बिना टीपी के शासन का चोरी का रेता परिवहन करते पाया गया उक्त आरोपी से ट्रेक्टर ट्राली एवं चोरी का रेता जप्त कर आरोपी के खिलाफ अप.क्र. 96/2026 धारा 303(2), 317(5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम का कायम कर विवेचना में लिया गया तथा वाहन मालिक के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने मासूम बालिका को मारी टक्कर, अस्पताल पहुँचने से पहले हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 4 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बच्ची ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार जैतपुर थाना क्षेत्र के फॉरेस्ट ऑफिस के पास रहने वाली चार वर्षीय सनाया खान पिता महबूब खान अपने घर से निकलकर सड़क पार कर दूसरी ओर स्थित अपने दादा के घर जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात बाइक ने बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची सड़क पर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद बाइक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसा होते देख आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल बच्ची को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जैतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी जैतपुर जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि सनाया खान अपने घर से सड़क पार कर रही थी तभी अज्ञात तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। परिजन उसे इलाज के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिनके आधार पर अज्ञात बाइक और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। शुक्रवार सुबह 10 बजे तक वाहन और चालक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी चालक की तलाश जारी है।

काव्यांजलि स्व. यशोदा यादव की स्मृति में काव्य संध्या, कवियों ने बांधा समा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। रामनवमी के पावन अवसर तथा स्वर्गीय श्रीमती यशोदा यादव की पुण्यतिथि पर जमुना कॉलरी स्थित दुर्गा पंडाल के पास दादू लाल यादव के निवास पर एक भावपूर्ण काव्य गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोयलांचल क्षेत्र के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन दादू लाल यादव द्वारा किया गया, जबकि संचालन वरिष्ठ शायर मोहम्मद यासीन खान ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा मां सरस्वती की वंदना नंदलाल सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई। काव्य संध्या में वरिष्ठ कवि-व्यंग्यकार कैलाश पाटकर, सफी अहमद, यासीन खान, अमरेंद्र सिंह परिहार, धर्मेंद्र मिश्रा एवं युवा कवि कृष्ण कुमार मिश्रा ने अपनी रचनाओं का पाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के अंत में स्वर्गीय यशोदा यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित लोगों ने उनकी स्मृतियों को नमन किया तथा रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

जेईएम हायर सेकेंडरी स्कूल का शानदार परीक्षा परिणाम, कक्षा 8वीं में 92.6% व 5वीं में 96.8% सफलता

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद कोयलांचल नगरी जमुना कॉलरी स्थित जेईएम हायर सेकेंडरी स्कूल में उत्साह का माहौल है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता प्राप्त की है, जिससे विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। कक्षा 8वीं में कुल 42 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 41 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा परिणाम में 38 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जबकि 3 विद्यार्थी पूरक रहे। इस प्रकार कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 92.6 प्रतिशत रहा। कक्षा 8वीं में निधि नामदेव (पिता रमेश नामदेव) ने 513 अंक (85.5%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कार्तिक राजपूत ने 502 अंक (83.6%) प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार रोहिणी पांडे ने 495 अंक (82.5%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 5वीं के परिणाम भी उत्कृष्ट रहे। कक्षा 5वीं में कुल 32 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 31 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए तथा 1 विद्यार्थी पूरक रहा। परीक्षा परिणाम में 23 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी एवं 8 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 96.8 प्रतिशत रहा। कक्षा 5वीं में तृषा तिवारी (पिता विजय शंकर तिवारी) ने 326 अंक (81.5%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं उमइजा फातिमा ने 325 अंक (81.25%) प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विनायक कुमार मिश्रा ने 320 अंक (80%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेश चंद शर्मा, सचिव लाल बहादुर जायसवाल, कोषाध्यक्ष त्रिवेणी शंकर तिवारी, वरिष्ठ सदस्य शैलेन्द्र सिंह, कैंसर अली एवं राजेश सिंह ने भी इस शानदार परिणाम पर खुशी व्यक्त की।

पेट्रोल पंप पर पेट्रोल के लिए हो रहा है हंगामा, लिमिट में दिया जा रहा है ईंधन, भेदभाव का आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध की खबरों के बीच पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों का असर अब जिले में भी दिखाई देने लगा है। रात जैतपुर स्थित एचपी पेट्रोल पंप में तेल देने की लिमिट को लेकर विवाद की स्थिति बन गई और वाहन चालकों ने पंप कर्मचारियों पर भेदभाव करने का आरोप लगाया। स्थानीय लोगों के अनुसार पंप में वाहनों को सीमित मात्रा में पेट्रोल दिया जा रहा था। बाइक चालकों को 200 रुपये और बड़े वाहनों को 500 रुपये का ही तेल दिया जा रहा था, जबकि खाली डिब्बों में अधिक मात्रा में पेट्रोल देने की बात सामने आई। इसी बात को लेकर लाइन में लगे वाहन चालकों ने विरोध जताया, जिससे कुछ देर के लिए हंगामा की स्थिति बन गई। कार चालक आशीष शुक्ला ने बताया कि वह गुरुवार रात अपने वाहन में पेट्रोल भराने जैतपुर पेट्रोल पंप पहुंचे थे, जहां पहले से कई वाहन लाइन में लगे थे। जब उनकी बारी आई तो कर्मचारियों ने उनकी कार में केवल 500 रुपये का ही पेट्रोल डाला। उन्होंने कर्मचारियों से लंबी दूरी जाने की बात कहकर अधिक पेट्रोल देने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने मना कर दिया। आशीष शुक्ला का आरोप है कि उसी दौरान कुछ लोगों को डिब्बों में 20 लीटर तक पेट्रोल दिया गया। बाइक चालक विक्की बारगाही ने भी आरोप लगाया कि उनकी बाइक में केवल 200 रुपये का पेट्रोल दिया गया, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर जिला प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि जिले में पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता है। लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से तेल का स्टॉक न करें। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की कमी नहीं है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। हालांकि जैतपुर पेट्रोल पंप में हुई घटना के बाद लोगों में नाराजगी देखी गई।

बांधवगढ के कल्लदवाह में गौर ने दिया बछिया को जन्म, गौरो की संख्या हुई 29

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पॉपुलेशन मैनेजमेंट स्ट्रेटजी ऑफ हबीवीर इन सप्लीमेंट ऑफ गौर प्लान अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गौर पुनर्स्थापन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।कार्यक्रम के तहत 23 जनवरी से 26 जनवरी 2026 के मध्य कुल 27 गौर को लाकर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कल्लावाह वन परिक्षेत्र में निर्मित 20 हेक्टेयर के गौर बाड़े में छोड़ा गया। इन सभी गौरों का भारतीय वन्यजीव संस्थान एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम द्वारा लगभग सवा माह तक विशेष अनुश्रवण किया गया। अनुश्रवण अवधि पूर्ण होने के पश्चात 8 मार्च 2026 को सभी गौरों को विशेष निगरानी में खुले जंगल में छोड़ दिया गया।इसी दौरान मादा गौर को बछड़ा/बछिया देने की अवस्था में पाए जाने पर, उसे अन्य जंगली जीवों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु 17 मार्च 2026 को पुनः सुरक्षित रूप से गौर बाड़े में लाया गया। निरंतर निगरानी के उपरांत मादा गौर द्वारा 26 मार्च को कल्लावाह रेंज के उत्तर कल्लावाह बीट में एक गौर बछिया को जन्म दिया गया।अनुश्रवण दल द्वारा गौर बछिया को पूर्णतः स्वस्थ पाया गया है तथा वह अपनी माँ के साथ सामान्य रूप से विचरण करते हुए देखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि उक्त मादा गौर को 24 जनवरी 2026 को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से पकड़ा गया था तथा 25 जनवरी 2026 को बांधवगढ़ में छोड़ा गया था। वर्ष 2026 में लाए गए कुल 27 गौरों (22 मादा एवं 5 नर) में से अब तक 1 बछड़ा और 1 बछिया कुल दो गौर का जन्म हो चुका है। यह उपलब्धि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा किए जा रहे वन्यजीव संरक्षण प्रयासों की सफलता को दशार्ती है। इस प्रकार से जनवरी में लाए गए 27 गौर के समूह में यहां जन्म लेने के कारण 28 फरवरी को एक नर बछड़ा तथा 26 मार्च को बछिया जुड़ गए है।

पूर्व पार्षद के भय से लापता मूक-बधिर युवक, परिजनों का आरोप, दो माह बाद भी पुलिस की कार्रवाई शून्य

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नगर के वार्ड क्रमांक-6 निवासी 38 वर्षीय मूक-बधिर युवक दशरथ पाटस्कर पिछले लगभग दो महीनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। परिजनों का आरोप है कि मामले में पूर्व पार्षद एवं भाजपा कार्यकर्ता से पुलिस सख्ती से पूछताछ नहीं कर रही, जिससे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार दशरथ पाटस्कर पिछले करीब 25 वर्षों से बस स्टैंड स्थित एक होटल में कार्यरत था, जो पूर्व पार्षद अजय तोमर से जुड़ा बताया जा रहा है। परिजनों का कहना है कि 9 फरवरी को होटल में मारपीट और अभद्रता की घटना के बाद दशरथ अचानक वहां से चला गया और उसी रात घर नहीं पहुंचा। इसके बाद परिवार ने थाना कोतमा में गुमशुदगी दर्ज कराई, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। दशरथ के भाई अरुण पाटस्कर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका भाई मूक-बधिर होने के कारण अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर पाता था और लंबे समय से प्रताड़ना सह रहा था। उन्होंने बताया कि बेटे के वियोग में उनकी वृद्ध मां की मानसिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस द्वारा मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई और जिस व्यक्ति के यहां दशरथ काम करता था, उससे कड़ाई से पूछताछ तक नहीं की जा रही। अरुण पाटस्कर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, क्या पुलिस किसी बड़ी अप्रिय घटना या मेरे भाई की लाश मिलने का इंतजार कर रही है? आखिर प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई से परहेज क्यों? मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते गंभीरता से जांच होती तो शायद अब तक लापता युवक का पता चल सकता था। क्षेत्रवासियों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए। परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुलिस अधीक्षक अनूपपुर से मिलकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे और आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होंगे।

पुलिस अप्रिय घटना का कर रही है इंतजार

इनका कहना है

पुलिस कार्यवाही पर लगी हुई है जैसे ही पता चलेगा परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

रत्नाकर शुक्ल, थाना प्रभारी कोतमा

संपादकीय

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में ह्यछाया प्रधानमंत्रीह्ल माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी ह्यऊपरह्ल और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी ह्यसमयह्ल नहीं था अथवा यह ह्यसर्वश्रेष्ठ होने का अहंकारह्ल था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए। वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें ह्यअपडेटह्ल देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रूबरू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है। उन्होंने बेहद नाजुक और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर जवाब दिए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह अधिकांश सर्वदलीय बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि उन्हें ह्यदुर्घटनावश प्रधानमंत्रीह्ल करार दिया जाता था। मध्य-पूर्व, पश्चिम एशिया संकट पर ही प्रधानमंत्री मोदी संसद में ही उपस्थित क्यों नहीं रहे, ताकि विपक्ष उनसे सवाल कर सकता? प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और शेष विपक्ष के दरमियान बहुत गहरी खाई है, फासले हैं, उन्हें क्या नामकरण दिया जाए, हम नहीं जानते, लेकिन ये लोकतंत्र और देश के हित में नहीं हैं। बहरहाल बैठक में ब्रीफ किया गया कि देश में तेल-गैस पर्याप्त हैं, होर्मुज समुद्री मार्ग से ही कुछ और जहाज आ रहे हैं, लेकिन इसका जवाब नहीं दिया कि सडकों और पेट्रोल पंपों पर जो लंबी कतारें लगी हैं, उन्हें कब तक ह्यअफवाहह्ल माना जाए? कच्चे तेल का इंडियन बास्केट 30 फीसदी महंगा हो गया है। रूस को हमने 60 मिलियन टन तेल का ऑर्डर बढ़े दामों पर दिया है।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती। लयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा।

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी। मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम ह्यमलयालम भाषा एक्ट 2025ह्ल की जगह ह्यकेरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025ह्ल होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है। मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग फलप्रद होंगे तथा रुके कार्य बन जायेंगे।

वृष राशि :- कार्यतत्परता से लाभ एवं इष्ट-मित्र सुखवर्धक अवश्य होंगे, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- सोच-समझकर कार्य करें, शांति विचार से लाभ होगा, अन्यथा कुछ विग्रह विचार हो।

सिंह राशि :- समय की विसमता से विशेष कार्य स्थिगित रखे तथा लेनदेन के मामलें मे हानि।

कन्या राशि :- मानसिक विभ्रम, किसी आरोप में फंस सकते हैं तथा कार्य अवरोध ही होगा।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा कार्य संतोषप्रद होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, योजनायें फलीभूत होंगी, विशेष कार्य स्थिगित रखें।

धनु राशि :- सफलता के साधन जुटायें तथा धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

मकर राशि :- आरोप व क्लेश, असमंजस, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कुंभ राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री-शरीर कष्ट, मित्र चिन्ता असमंजस में रखेगी।

मीन राशि :- इष्ट-मित्र सहायक रहें, दैनिक-कार्यगति में अनुकूलता अवश्य आयेगी।

शरीर में दर्द का कारण है पेट की बढ़ती चर्बी?

खराब जीवनशैली और गलत खानपान के लिए चक्कर में पेट में चर्बी बढ़ने लगती है। आंत की चर्बी, जिसे आमतौर पर पेट की चर्बी के रूप में जाना जाता है। बाहर निकली हुईं तोंद महिलाओं के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है। पेट की चर्बी खतरनाक हो सकती है क्योंकि यह लीवर और आंतों जैसे महत्वपूर्ण अंगों को घेर लेती है, जिससे विभिन्न स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। महिलाओं में पेट की अतिरिक्त चर्बी होने के कारण एक शोध में पता चला है कि क्रोनिक शरीर दर्द के साथ इसका संबंध है। शोध से पता चला है कि पेट की चर्बी कम करने से लंबा और स्वस्थ जीवन जीया जा सकता है। पेट की चर्बी कम होने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा, स्तन कैंसर और कई अन्य बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

महिलाओं में पेट की चर्बी और शरीर में दर्द के बीच क्या संबंध है?

हालिया अध्ययन, रीजनल एनेस्थीसिया एंड पेन मेडिसिन के मुताबिक, पेट की चर्बी के कारण मांसपेशियों और जोड़ों में होने वाले पुराने दर्द के बीच संबंध पाया गया है। इसमें 32,000 से अधिक लोगों के डेटा को देखा गया, जिनमें से आधी महिलाएं थीं जिनकी औसत आयु 55 वर्ष थी। शोध में पाया गया कि जिन लोगों के पेट के आसपास अधिक चर्बी थी, उनमें लगातार असुविधा होने की संभावना अधिक थी। इससे यह भी पता चला कि महिलाएं पुरुषों की

तुलना में अधिक प्रभावित थीं, जो कि लिंगों के बीच हार्मोन के स्तर और वसा वितरण में भिन्नता के कारण हुई हो सकती है। इससे पता चलता है कि बहुत अधिक वसा होने से शरीर के विभिन्न हिस्सों में असुविधा हो सकती है। आपके पेट की चर्बी आपके पेट के चारों ओर एकत्रित होने के अलावा और भी बहुत कुछ करती है। यह आपके शरीर में साइटोकिन्स नामक रसायन भी पैदा करता है, जो सूजन का कारण बनता है। इस सूजन के परिणामस्वरूप आपके जोड़ों और मांसपेशियों की परेशानी और भी बदतर हो सकती है।

इस तरह से पेट की चर्बी करें कम

हालिए के शोध के मुताबिक, पेट की चर्बी कम करने से पुराने दर्द के मैनेजमेंट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, खासकर शरीर के कई क्षेत्रों में दर्द का अनुभव करने वाले व्यक्तियों में। इस लेख में कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे आप इसे हासिल कर सकते हैं।

फिजिकल एक्टिविटी करना जरुरी है

आप चाहें तो बार-बार साइकिल चला सकते, तैरने या पैदल चलने जैसी गतिविधि से आपकी मांसपेशियों में सुधार होता है और तनाव के स्तर को कम करते हुए आपके शरीर को पेट की चर्बी जलाने में मदद मिलती है। यदि आप अपने जोड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना वजन कम करना चाहते हैं, तो हल्का व्यायाम एक बेहतर विकल्प है।

अपने तनाव पर काम करें

पेट की चर्बी हार्मोन कोर्टिसोल के कारण होती है, जो उच्च तनाव वाली स्थितियों में बढ़ जाती है। योग या ध्यान जैसी विश्राम तकनीकों का अभ्यास करके, व्यक्ति कोर्टिसोल के स्तर को कम कर सकता है और वजन बढ़ने से बच सकता है।

सही समय पर सोना जरुरी है

प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद आपके चयापचय को नियंत्रित करने और विशेष रूप से पेट क्षेत्र में वजन बढ़ने से रोकने में मदद करती है। यदि आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो आपके पेट में अधिक चर्बी जमा हो सकती है।

उत्तम आहार का सेवन करे

आप खूब मात्रा में खाद्य पदार्थ खाएं, जैसे कि फल, सब्जियां, साबुत अनाज और दुबला मांस। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, चीनी से भरे स्नैक्स और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट सीमित करें। एक संतुलित आहार शरीर में सूजन को कम करता है और वजन घटाने में सहायता करता है।

रामचरण के जन्मदिन पर रिलीज हुआ पेड्डी पहलवान का लुक

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रामचरण के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आने वाली फिल्म पेड्डी से पेड्डी पहलवान लुक हुआ रिलीज हो गया है। फिल्म पेड्डी 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब मेकर्स ने शानदार कंटेंट पेड्डी पहलवान रिलीज किया है, जिसमें राम चरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन दिखाया गया है और यह इंडस्ट्री के बेहतरीन ट्रांजिशन्स में से एक नजर आता है। पेड्डी पहलवान में रामचरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन काफी यूनिक है। यह उनके फैंस के लिए किसी बेहतरीन बर्थडे गिफ्ट से कम नहीं है। आरआरआर के बाद उनका यह नया अवतार बेहद एक्साइटिंग लग रहा है। इससे पहले हमने आरआरआर में उनका शानदार ट्रांसफॉर्मेशन देखा था, और अब एक बार फिर उन्होंने खुद को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश किया है। यह इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन ट्रांसफॉर्मेशन्स में से एक कहने लायक है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा उनके बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत और प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मिथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनी यह फिल्म 30 अप्रैल 2026 को रिलीज के लिए तैयार है।

डिप्रेशन के लक्षण पुरुषों को पता भी नहीं चलता

आज के समय में ज्यादातर लोग मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहे हैं। शारीरिक बीमारियों की तरह ही मानसिक बीमारी भी काफी महत्वपूर्ण है। मानसिक तनाव का शिकार आजकल सभी लोग हो रहे हैं। पुरुषों में भी डिप्रेशन एक गंभीर बीमारी है। आज हम इस लेख में मर्दों में होने वाले डिप्रेशन के लक्षण बताएंगे।

डिप्रेशन एक मानसिक बीमारी है जो आज के समय में ज्यादातर लोग इससे जूझ रहे हैं। शारीरिक बीमारी की तरह ही मानसिक बीमारीभी बेहद महत्वपूर्ण है। अगर डिप्रशेन जैसी मानसिक बीमारी की बात करें तो, इसके लक्षण पुरुष और महिला में अलग-अलग देखने को मिलते है। पुरुषों में डिप्रेशन होना एक गंभीर बीमारी है, इस आर्टिकल में हम आपको पुरुषों में होने वाले डिप्रेशन के लक्षण बताएंगे।

गुस्सा और चिड़चिड़ापन : आमतौर पर पुरुषों में डिप्रेशन का प्रमुख लक्षण गुस्सा और चिड़चिड़ापन होता है। इस परिस्थिति में गुस्सा और चिड़चिड़ापन नियंत्रण से बाहर चला जाता है।

थकान पुरुषों में डिप्रेशन के दौरान थकान ज्यादा होती है। इस चीज मर्द लोग हल्के में लेते हैं। पुरुषों में डिप्रेशन के कारण हमेशा थकान महसूस होती है। इस लक्षण को बिलकुल भी नजरअंदाज न करें।

चिंता करना : ज्यादातर पुरुष चिंता में रहते हैं और बार-बार चिंता करना डिप्रेशन के लक्षणों में से एक है। चिंता करने से कई खतरनाक बीमारियां होने का खतरा रहता है, जैसे ह्रदय संबंधित बीमारी और पैनिक अटैक के लक्षण देखने को मिल सकते हैं।

यौन इच्छा और प्रेम की भावना खत्म होना :पुरुषों में डिप्रेशन के चलते यौन इच्छा और प्रेम की भावना खत्म हो जाती है। जो कि सही नही है। धीरे-धीरे यौन उत्तेजना खत्म होने लगती है। पार्टनर के साथ कम सेक्स ड्राइव होना।

अकेलापन महसूस करना

पुरुषों में डिप्रेशन होने पर अक्सर मर्द उदास, अकेला और निराश महसूस करने लगते हैं। डिप्रेशन के चक्कर में पुरुष लोग ध्यान नहीं लगा पाते। ऐसी स्थिति में पुरुष किसी चीज में भी ध्यान नहीं लगा पाते हैं।

पल भर में उजड़ गए 12 घर-आग ने निगल ली जिंदगी भर की कमाई

शॉर्ट सर्किट से भड़की भीषण आग, गांव में मची चीख-पुकार; 12 परिवार बेघर, सहारा छिना

विनोद दुबे

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। बंडोल थाना क्षेत्र के बल्लापुर गांव में लगी भीषण आग ने ऐसा कहर बरपाया कि 12 परिवारों की पूरी जिंदगी पल भर में राख हो गई। किसी की वर्षों की कमाई, किसी की गृहस्थी, तो किसी का रोजी-रोटी का साधन इस आग में हमेशा के लिए खत्म हो गया। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार और मातम का माहौल रहा। महिलाएं अपने जले हुए घरों को देखकर बिलखती रहीं, वहीं पुरुष राख में अपनी बची-खुची जिंदगी तलाशते नजर आए। कई परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

शॉर्ट सर्किट से शुरू हुई आग, 12 मकान जलकर खाक

बताया जा रहा है कि आग की शुरूआत एक ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से हुई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 12 मकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

देर से पहुंची दमकल, बढ़ गया नुकसान

तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वे करीब एक से डेढ़ घंटे की देरी से पहुंचीं, जिससे आग और फैल गई और नुकसान बढ़ गया।

बिजली विभाग और सिस्टम पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने इस घटना के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से बिजली व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें की जा रही थीं, लेकिन समय पर सुधार नहीं किया गया। कुछ लोगों ने पुलिस पर भी फोन न उठाने और देर से पहुंचने के आरोप लगाए हैं।

विधायक पहुंचे, सर्वे और मदद के निर्देश

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि घटना पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने तहसीलदार को जल्द सर्वे कर अधिक से अधिक पीड़ितों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए और कहा कि हर जरूरतमंद को तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

सबसे बड़ा दर्द: सहारा छिन गया

इस आग ने केवल मकान नहीं जलाए, बल्कि कई परिवारों का जीवन आधार छीन लिया। अब उनके सामने सबसे बड़ा सवाल है—आगे जिंदगी कैसे चलेगी? बड़े सवाल जो जवाब मांगते हैं क्या समय रहते व्यवस्थाएं सुधारी जातीं तो हादसा टल सकता था? क्या राहत में देरी ने नुकसान को और बढ़ाया?

एक चिंगारी और बर्बाद हो गई साल भर की मेहनत खेतों में आग, किसानों का दर्द और हम सबकी जिम्मेदारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। शुक्रवार दोपहर शिलादेही क्षेत्र के खेतों में लगी आग ने कई किसानों के सपनों को पल भर में राख कर दिया। तेज हवाओं के चलते आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब 10 हेक्टेयर में खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। जिस फसल को किसान पूरे साल मेहनत, पसीने और उम्मीद के साथ तैयार करता है, वह कुछ ही मिनटों में जलकर खत्म हो गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

सिर्फ किसानों की नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी

ऐसी घटनाएं कई बार हमारी छोटी-छोटी लापरवाहियों का परिणाम होती हैं।

1 खेतों के पास बीड़ी-सिगरेट पीकर जलता टुकड़ा न फेंकें
2 सूखी फसल या घास के पास आग न जलाएं
3 जलाई गई आग को बिना बुझाए न छोड़ें

किसानों के लिए जरूरी सावधानियां

4 खेतों के चारों ओर फायर लाइन (खाली पट्टी) बनाएं
5 कटाई के समय पानी या मिट्टी की व्यवस्था रखें
6 खेत के पास सूखी घास जमा न होने दें
7आग लगते ही तुरंत सूचना दें

बिजली विभाग की जिम्मेदारी

8ढीले और जर्जर तारों की समय पर मरम्मत हो
9खेतों के पास लाइनों की नियमित जांच हो
10 संभावित खतरे वाले स्थानों पर तुरंत सुधार किया जाए

एक अपील

किसान की फसल उसका भविष्य होती है। एक छोटी सी सावधानी—बीड़ी का टुकड़ा न फेंकना या आग को पूरी तरह बुझाना—किसी किसान की साल भर की मेहनत बचा सकती है।

सवाल हम सब से

क्या हम थोड़ी सी सावधानी नहीं बरत सकते, ताकि किसी किसान का घर उजड़ने से बच जाए?

बरघाट में बिजली विभाग की लापरवाही: 2 साल से खराब सर्विस लाइन, स्पार्किंग से हादसे का खतरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी जिले के बरघाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम खारी में विद्युत विभाग की लापरवाही एक बड़े हादसे को न्योता देती नजर आ रही है। यहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल के नीचे से गुजर रही सर्विस लाइन पिछले करीब दो वर्षों से खराब स्थिति में है, लेकिन अब तक उसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग के कर्मचारी बार-बार अस्थायी मरम्मत कर काम निपटा देते हैं, जबकि समस्या जस की तस बनी हुई है। इस दौरान कई बार लाइन में स्पार्किंग और टूट-फूट की स्थिति भी सामने आ चुकी है, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता है।

शिकायतों के बाद भी नहीं हुआ समाधान

ग्रामवासियों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार विभाग को शिकायत की, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। बताया जा रहा है कि कनिष्ठ अभियंता द्वारा केबल बदलने के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन वह कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ।

मासूमों की जान पर मंडरा रहा खतरा

प्रतिमा स्थल के आसपास बच्चों और आम लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। ऐसे में जर्जर सर्विस लाइन से निकलती चिंगारी या केबल टूटने की स्थिति में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि विभाग की लापरवाही के चलते किसी मासूम की जान भी जा सकती है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

लगातार शिकायतों के बावजूद समाधान न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए और खराब केबल को बदलकर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बड़ा सवाल: क्या हादसे के बाद जागेगा विभाग?

दो साल से समस्या बने रहने के बावजूद यदि विभाग ठोस कदम नहीं उठाता, तो यह सीधे-सीधे जिम्मेदारी से बचने का मामला माना जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन समय रहते कार्रवाई करता है या फिर किसी अनहोनी का इंतजार किया जाएगा।

घर पाने का सही रास्ता– प्रधानमंत्री आवास योजना को समझिए आसान भाषा में, नहीं तो छूट जाएगा मौका

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना आज भी लाखों लोगों के लिए उम्मीद का आधार बनी हुई है। लेकिन सही जानकारी के अभाव में कई पात्र हितग्राही योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं।

आवेदन कैसे करें?

सबसे पहले ग्राम पंचायत में लिखित आवेदन दें और उसकी रसीद अपने पास सुरक्षित रखें। पंचायत द्वारा पात्रता की जांच की जाती है। यदि पंचायत स्तर पर सुनवाई नहीं होती तो जनपद पंचायत में आवेदन करें। इसके बाद ही आवश्यकता होने पर जनसुनवाई या सीएम हेल्पलाइन का सहारा लें।

जरूरी दस्तावेज

आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक (आधार लिंक), मोबाइल नंबर, आय संबंधी जानकारी और जमीन से जुड़े दस्तावेज (यदि उपलब्ध) अनिवार्य होते हैं।

कौन पात्र है?

जिनके पास पक्का मकान नहीं है, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवार और जिनका नाम सर्वे सूची में शामिल है।

चयन कैसे होता है?

सर्वे के आधार पर सूची बनाई जाती है, ग्राम सभा में अनुमोदन होता है और उसके बाद किस्तों में राशि जारी की जाती है।

इन गलतियों से बचें

बिना आवेदन किए सीधे शिकायत न करें, दस्तावेज अधूरे न रखें, गलत जानकारी न दें और बैंक खाता आधार से लिंक जरूर रखें।

नाम नहीं आया तो क्या करें?

पंचायत में लिखित कारण पूछें, संतोषजनक जवाब न मिले तो जनपद पंचायत में आवेदन करें और दोनों की रसीद के साथ ही उच्च स्तर पर जाएं।

पंचायत की भूमिका

पंचायत को आवेदन लेकर स्पष्ट जानकारी देना चाहिए कि कौन पात्र है और कौन नहीं। अपात्र होने का कारण भी स्पष्ट और लिखित रूप में बताना जरूरी है।

क्यों जरूरी है सही प्रक्रिया?

सीधे जनसुनवाई या सीएम हेल्पलाइन में जाने से व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है और समय भी अधिक लगता है। सही क्रम अपनाने से लाभ जल्दी मिल सकता है।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने के लिए सही जानकारी, सही आवेदन और सही प्रक्रिया अपनाना जरूरी है। जागरूकता ही इस योजना का सबसे बड़ा आधार है।

कक्षा 8वीं में हर्ष गौतम प्रथम, 600 में 541 अंक प्राप्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणाम वर्ष 2025-26 घोषित किए गए। इसमें विकासखंड बरघाट के ग्लोब प्ले एंड लर्न स्कूल के छात्र हर्ष गौतम ने कक्षा 8वीं में 600 में से 541 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है।

हर्ष गौतम, पिता नंदकिशोर गौतम, हर वर्ष अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करते रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों एवं सहपाठियों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है। हर्ष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं विद्यालय के शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ स्काउट-गाइड, कंप्यूटर शिक्षा, खेल, कला, नृत्य एवं संगीत जैसी गतिविधियों पर भी ध्यान दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। विद्यालय के प्राचार्य श्री गणेश बरमैया, संचालक श्री गगन रहंगडाले, राकेश टेकाम एवं समस्त स्टाफ ने हर्ष गौतम सहित सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं।

1 अप्रैल से टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद, वाहन चालकों को दी जा रही अग्रिम सूचना

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के निदेर्शानुसार 1 अप्रैल 2026 से सभी टोल प्लाजाओं पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसके तहत टोल शुल्क अब केवल FASTag या वढकजैसे डिजिटल माध्यमों से ही स्वीकार किया जाएगा। इसी क्रम में सिवनी जिले के फुलारा टोल प्लाजा पर भी यह व्यवस्था लागू की जा रही है। वाहन चालकों को पहले से ही इसकी जानकारी दी जा रही है, ताकि उन्हें आगामी समय में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। टोल प्लाजा से गुजरने वाले सभी वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने वाहनों में FASTag अवश्य लगवाएं और उसे सक्रिय एवं रिचार्ज रखें। साथ ही वढकके माध्यम से भुगतान की सुविधा भी तैयार रखें, ताकि टोल पर रुकावट न हो। यदि किसी वाहन में FASTag नहीं होगा या उसमें पर्याप्त बैलेंस नहीं रहेगा, तो टोल प्लाजा पर देरी और अतिरिक्त शुल्क जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। ऐसे में यात्रियों को पहले से ही डिजिटल भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। टोल प्लाजा प्रबंधन द्वारा आम लोगों को इस नई व्यवस्था के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। नोटिस बोर्ड, सूचना पर्चे और अन्य माध्यमों से यह जानकारी दी जा रही है कि 1 अप्रैल के बाद नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लगने वाली भीड़ को कम करना, भुगतान प्रक्रिया को तेज बनाना और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना है। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे समय रहते आवश्यक तैयारी कर लें, ताकि नई व्यवस्था में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सिवनी में आयोजित हुआ वृहद विधिक जागरूकता शिविर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निदेर्शानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को मठ मंदिर प्रांगण सिवनी में वृहद विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सतीश चन्द्र राय द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां आमजन को योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गईं। सतीश चन्द्र राय ने मंच के माध्यम से आमजनों से अपील की कि वे शिविर में लगाए गए स्टॉलों का लाभ उठाएं और विभिन्न योजनाओं एवं देयकों में दी जा रही छूट का अधिक से अधिक फायदा लें।

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश बलवीर सिंह धाकड़ ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता योजना की जानकारी देते हुए इसके उद्देश्य से अवगत कराया। वहीं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कला भम्मरकर ने महिलाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं योजनाओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए समाज में महिलाओं के सम्मान को सभी की जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम का संचालन आशीष दुबे ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि नायक ने कार्यक्रम के क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए आमजनों से शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। अंत में जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) गालिब रसूल, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बलवीर सिंह धाकड़, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कला भम्मरकर, न्यायिक मजिस्ट्रेट अमरीश भारद्वाज, अर्चना यादव, पायल परमार, अंशुल ताम्रकार, केशव कुमार, तनु गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल नवीन कुमार पटेल, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल रिशाद खान, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विशाल निखारे, महाकाल समिति अध्यक्ष सदन कश्यप, सचिव पंकज शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

देश बचाने में आपकी राय (जनअभियान)

हर गांव में बने बड़ा जल गड्ढा, खत्म हो सकती है पानी की समस्या: अंजना पाटिल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। गर्मियों में बढ़ते जल संकट को लेकर समता सैनिक दल की राज्य इकाई सदस्य अंजना पाटिल ने एक अहम और व्यावहारिक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि यदि हर गांव में वर्षा जल संग्रहण की ठोस व्यवस्था की जाए, तो पानी की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। अंजना पाटिल के अनुसार, प्रत्येक गांव में एक बड़ा, चौड़ा और गहरा गड्ढा (तालाब) बनाया जाना चाहिए, जिसमें बारिश का पानी एकत्र किया जा सके। यह कार्य ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि गोपालगंज में इसी तरह का एक बड़ा जल संग्रहण गड्ढा बनाया गया है, जिससे वहां पानी की स्थिति में सुधार देखने को मिला है। उनका मानना है कि यदि उसी मॉडल को हर गांव में लागू किया जाए, तो जल संकट जैसी समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ऐसे जल संग्रहण स्थल गांव के बाहर या सड़क किनारे बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल को संरक्षित किया जा सके और भविष्य के लिए उपयोग में लाया जा सके। अंजना पाटिल का कहना है कि छोटे-छोटे स्थानीय प्रयास ही बड़े बदलाव की नींव बनते हैं, और यदि हर गांव इस दिशा में कदम बढ़ाए, तो आने वाले समय में जल संकट से बचा जा सकता है।

आपकी राय, देश की ताकत

ह्लदेश बचाने में आपकी रायह्व मुहिम के तहत आप भी अपने सुझाव हमें भेज सकते हैं। चुने हुए विचारों को अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

पंपों पर भीड़, भोपाल-इंदौर-उज्जैन में 25% ज्यादा पेट्रोल बिका

एलपीजी सिलेंडर के लिए भी लंबी कतारें; सरकार का दावा- मप्र में भरपूर ईंधन

भोपाल। अमेरिका, इजराइल और ईरान में तनाव की खबरों के बीच मध्य प्रदेश में पेट्रोल पंपों पर तीन दिनों से भीड़ बढ़ गई है। कई शहरों में लोग सुबह 5 बजे से ही गाड़ियों के साथ लाइन में लग रहे हैं और देर रात तक पंपों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, सरकार और प्रशासन ने साफ किया है कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह के मुताबिक, अफवाहों के चलते ईंधन की खपत में तेजी आई है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भीड़ अपेक्षाकृत कम है, लेकिन खपत करीब 25% तक बढ़ गई है। लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे दबाव बढ़ रहा है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि शहर में 192 पेट्रोल पंपों पर सप्लाई सामान्य बनी हुई है। खाद्य विभाग की टीमें लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं और जहां कमी की सूचना मिली, वहां तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इंदौर और उज्जैन के डिपो में भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और टैंकरों के जरिए नियमित सप्लाई जारी है। इधर, घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर भी शहरों में लोगों की लाइनें देखने को मिल रही हैं। कई जगह बुकिंग के बाद 6 से 8 दिन में डिलीवरी हो रही है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

इंदौर में टीमें तैनात, डिपो में पर्याप्त स्टॉक
इंदौर और उज्जैन में भी पर्याप्त स्टॉक है। इंदौर के मांगलिया स्थित एचपीसीएल, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल के डिपो पर टैंकरों में ईंधन भरा जा रहा है, जो पंपों तक पहुंच रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि डिपो में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। इसके लिए खाद्य विभाग की टीमें तैनात की गई हैं।

छोटे जिलों में अफवाह का ज्यादा असर
अफवाहों का ज्यादा असर छोटे जिलों में देखने को मिल रहा है, जहां किसान फसल कटाई को देखते हुए बड़ी मात्रा में डीजल लेने पहुंच रहे हैं। रीवा में अफवाह फैलने के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ईंधन की कमी नहीं है और अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। रायसेन में बढ़ती मांग को देखते हुए बिक्री पर सीमा तय कर दी गई है। यहां पेट्रोल की खपत लगभग दोगुनी हो गई है, जबकि डीजल की मांग भी तेजी से बढ़ी है। दमोह में भी पंपों पर भीड़ बनी हुई है, जहां लोग टैंक फुल कराने में जुटे हैं। पंप संचालकों का कहना है कि स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन अफवाहों के कारण अनावश्यक दबाव बन रहा है।

मप्र में सड़कों पर पुलिस नहीं कैमरे काट रहे चालान

तीन साल में 32 लाख वाहनों पर जुमार्ना, कागजी चालान सिर्फ 0.2% ही बचे

भोपाल। एमपी में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई का तरीका पूरी तरह बदलता नजर आ रहा है। अब सड़कों पर खड़े पुलिसकर्मियों से ज्यादा कैमरे चालान काट रहे हैं। पिछले तीन साल में प्रदेश में करीब 32.5 लाख ई-चालान जारी हुए हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ी है। मध्यप्रदेश समेत देशभर में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अब ज्यादातर चालान ई-चालान सिस्टम के जरिए किए जा रहे हैं। यह पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था है, जिसमें सड़क पर लगे कैमरे, सॉफ्टवेयर और सरकारी डाटाबेस मिलकर काम करते हैं। पहले जहां पुलिसकर्मी मौके पर रोककर चालान बनाते थे, अब वही काम ऑटोमेटेड सिस्टम कर रहा है।

तीन सालों में 20% बढे. ई-चालान : लोकसभा में पेश किए गए आंकडे. बताते हैं कि एमपी में ई-चालान का आंकड़ा तीन सालों में 20 फीसदी तक बढ़ा है। साल 2023 में मात्र 89,783 ई चालान हुए थे। 2024 में 13,43,771 ई-चालान हुए। वहीं पिछले साल 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 18,13,967 पर पहुंच गया है। तीन सालों में कुल 32,47,521 ई-चालान हुए हैं।

हर साल घट रहा कागजी चालान का सिस्टम : एमपी में पिछले तीन सालों में कागजी चालान के आंकडे. देखें तो मेन्युअल चालानी कार्रवाई लगभग समाप्ति की ओर नजर आती है। 2023 में 2,983 मेन्युअल चालान हुए थे। वहीं 2024 में ये आंकड़ा घटकर 1,386 पर आ गया। पिछले साल 2025 में मात्र 1,417 कागजी चालान हुए हैं।

सड़कों पर लगे कैमरों से होते हैं ई-चालान : सिस्टम की शुरूआत सड़कों और चौराहों पर लगे हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी और एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन) कैमरों से होती है। ये कैमरे 24 घंटे निगरानी करते हैं और जैसे ही कोई वाहन चालक रेड लाइट जंप करता है, ओवरस्पीड करता है या बिना हेलमेट/सीट बेल्ट के चलता है, कैमरा तुरंत उसकी फोटो या वीडियो रिकॉर्ड कर लेता है। इसके बाद सॉफ्टवेयर वाहन की नंबर प्लेट को पढ़ता है और उसे केंद्रीय डेटाबेस—वाहन और सारथी पोर्टल—से मैच करता है। इससे वाहन मालिक का नाम, पता और मोबाइल नंबर मिल जाता है।

इसके बाद सिस्टम अपने आप नियम उल्लंघन के प्रकार के अनुसार चालान जनरेट करता है। यह पूरी प्रक्रिया बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के होती है। चालान बनने के बाद संबंधित वाहन मालिक को एसएमएस के जरिए सूचना मिलती है और वह ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर चालान देख सकता है, भुगतान कर सकता है या जरूरत पड़ने पर उसे चुनौती भी दे सकता है।

गलत चालान हुआ तो दर्ज करा सकते हैं आपत्ति : मध्यप्रदेश में ई-चालान की संख्या तेजी से बढ़ने की बड़ी वजह यही है कि शहरों और हाईवे पर कैमरों का नेटवर्क मजबूत हुआ है और ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम को तकनीकी रूप से अपग्रेड किया गया है। अब स्थिति यह है कि सड़क पर पुलिसकर्मी दिखे या न दिखे, नियम तोड़ने पर चालान कटना लगभग तय है। हालांकि, सरकार ने यह भी व्यवस्था दी है कि अगर किसी को लगता है कि उसका चालान गलत तरीके से काटा गया है, तो वह निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कर सकता है और अपने दस्तावेज पेश कर सकता है। जरूरत पड़ने पर कोर्ट में भी अपील का विकल्प मौजूद है।

ये हैं उल्लंघन के मुख्य कारण : रेड लाइट जंप करना, तय गति सीमा से ज्यादा स्पीड में वाहन चलाना, बिना हेलमेट दोपहिया चलाना, कार चलाते समय सीट बेल्ट न लगाना, नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करना, गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में ड्राइविंग करना, मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग या ट्रिपल राइडिंग करना, और वैध दस्तावेज (लाइसेंस, फ्ठ, इंश्योरेंस) न होना जैसे उल्लंघन प्रमुख कारण हैं।

सरकार ने यह भी बताया है कि ई-चालान सिस्टम कैमरों और डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए इन नियम उल्लंघनों को रिकॉर्ड करता है और उसी आधार पर चालान जारी होता है।

छिंदवाड़ा के करेर गांव में एक साथ उठीं 5 अर्थियां

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार शाम करीब साढ़े 6 बजे पिकअप वाहन से टक्कर के बाद बस पलट गई। हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर समेत 10 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती हैं। एक घायल की हालत नाजुक है, जिसे नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

एमपी 28 पी 0321 नंबर की बस में मोहखेड़ ब्लॉक की ग्वारा पंचायत के कोसमढाना, करेर और भंडारकुंड गांव के 51 लोग सवार थे। जान गंवाने वाले 10 लोगों में से 5 करेर गांव के थे। शुक्रवार सुबह इनकी अर्थियां एक साथ उठीं तो हर घर से रोने-सिसकने की आवाज आने लगीं। परिजन शवों से लिपट पड़े। रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला। रामदास पराने और सिया इवनाती के शव को दफनाकर अंतिम विदाई दी गई। दौलत फरकाडे, भागवंती विश्वकर्मा और शकुन यादव का दाह संस्कार किया गया।

78 साल बाद भी सुविधा नहीं, 2 किमी सड़क के अभाव में कटा डुंगरिया खुर्द

बम्हौरी। आजादी के 78 वर्ष बाद भी जनपद पंचायत सिलवानी की ग्राम पंचायत पड़रिया कला अंतर्गत आदिवासी बहुल ग्राम डुंगरिया खुर्द मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। महज 2 किलोमीटर पक्की सड़क न होने से गांव आज भी मुख्यधारा से कटा हुआ है। सियलबाड़ा से गांव तक का मार्ग उबड़-खाबड़ और पत्थरीला है। वहां चार पहिया वाहन नहीं पहुंच पाते। बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। इससे गांव का संपर्क लगभग टूट जाता है। करीब 350 की आबादी वाला यह गांव शिक्षा, स्वास्थ्य और आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में ह्यकाला पानीह्न जैसी स्थिति झेल रहा है। गांव में कक्षा 5 तक ही स्कूल गांव में केवल कक्षा 5 तक ही स्कूल है। आगे पढ़ाई के लिए बच्चों को दूसरे गांव जाना पड़ता है। खराब सड़क और सुरक्षा कारणों से कई छात्राओं ने पढ़ाई छोड़ दी है। बीमार होने पर मरीजों को खाट या बाइक से ले जाना पड़ता है। इससे समय पर इलाज नहीं मिल पाता। ग्रामीणों ने पंचायत पर विकास कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लाखों रुपए खर्च दिखाए गए। जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। सचिव, रोजगार सहायक और सरपंच पर मिलीभगत से राशि आहरण करने के आरोप लगाए गए हैं। कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे आक्रोश बढ़ रहा है।

चैत्र नवरात्रि की नवमी पर भक्तों ने किया हवन-पूजन

रायसेन में मां भगवती की विधि-विधान से पूजा, कन्या पूजन भी हुआ

रायसेन। चैत्र नवरात्रि की नवमी पर शुक्रवार को रायसेन में देवी मंदिरों और घरों में भक्तों ने हवन-पूजन किया। इस अवसर पर मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। भक्तों ने मंत्रों का जाप किया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिरों में घंटे और शंख की ध्वनि से पवित्रता बढ़ गई। राम मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने दर्शन और पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन भी किया। उन्होंने कन्याओं को भोजन कराया और दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिले के प्रमुख मंदिरों जैसे मां छोले वाली, कंकाली धाम और मां हिंगलाज में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग श्रद्धालु फूल, माला, अगरबत्ती, कपूर और नारियल लेकर मंदिरों में पहुंचे। उन्होंने मिश्र तालाब स्थित देवी मंदिर, खेड़ापति माता मंदिर और जिला न्यायालय परिसर के माता मंदिर में भी पूजा की और जल चढ़ाकर खीर-पुरी का भोग अर्पित किया।

भोपाल में पराली जलाने पर रोक

एडीएम ने 3 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया; उल्लंघन पर होगी एफआईआर

भोपाल। भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। गुरुवार देर रात एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। एडीएम पांडेय ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। इसलिए एडीएम ने यह आदेश जारी किया है। खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है। खेत की मिट्?टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिले में कई किसान रोटावेटर एवं अन्य साधनों से डंठल खेत से हटा रहे हैं। यह सुविधा जिले में उपलब्ध हो गई है।

रामनवमी पर श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर में चंडी यज्ञ

बैतूल। बैतूल में रामनवमी के अवसर पर आस्था और भक्ति का माहौल है। जिले भर में विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। बालाजीपुरम स्थित श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर में चंडी यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जबकि दोपहर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यह चंडी यज्ञ चित्रकूट धाम स्थित वैष्णो मंदिर की यज्ञशाला में सुबह 7 बजे शुरू हुआ। दक्षिण भारत से आए प्रकांड पंडितों द्वारा पारंपरिक विधि-विधान से अनुष्ठान कराया जा रहा है। लगभग 5 घंटे तक चलने वाले इस यज्ञ में दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों का पाठ आहूतियों के साथ किया जा रहा है। इस चंडी यज्ञ में लगभग 7 लीटर घी, सवा क्विंटल हवन सामग्री और 151 प्रकार की जड़ी-बूटियां अग्नि में अर्पित की जा रही हैं। ऐसी मान्यता है कि इन विशेष आहूतियों के प्रभाव से यज्ञ की अग्नि में मां महाकाली का दिव्य स्वरूप प्रकट होता है और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यज्ञ के समापन के बाद दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष पूजन, रामजन्म की झांकी, कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन होगा।

भोपाल में निमार्णाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, 8 घायल

भोपाल एम्स के सामने हादसा; 35 साल पुराने भवन के ऊपर बन रही थी बिल्डिंग

भोपाल। भोपाल में शुक्रवार एम्स के सामने एक निमार्णाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े करीब 8 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, तभी यह हादसा हो गया। हादसे के बाद एम्स में कुल आठ घायल पहुंचे थे। इनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि पांच मरीज अभी भी भर्ती हैं। इनमें 23 साल की नंदिनी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें एम्स भोपाल के ट्रॉमा ब्लॉक के रेड ट्रायज में भर्ती किया गया है। नंदिनी के शरीर पर एंगल लगने से गहरा घाव हुआ है। फिलहाल डॉक्टर उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा अवैध है और नगर निगम को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

पुराने भवन पर बन रही थी बिल्डिंग : करीब 35 साल पुराना भवन है। यहां मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इसके ठीक ऊपर 3 मंजिल का और निर्माण चल रहा है। जो सेटिंग, छज्जा गिरा है,वो काफी बाहर निकला हुआ था। यह शेड के ऊपर गिरा है। इससे शेड भी ढह गया।

किसानों सहित सभी वर्गों का कल्याण हमारा ध्येय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा को दी 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात : प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना के 157 करोड़ रुपये अंतरित

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, महिला और युवा सहित सभी वर्गों का कल्याण राज्य सरकार का संकल्प है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। प्रदेश के किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि और लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की समृद्धि में ही प्रदेश की खुशहाली है। इसी ध्येय से किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुपालन, दूध उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से आय दोगुनी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह प्रदेश का स्वर्णिम काल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगीकरण और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सबसे आगे है। उन्होंने छिंदवाड़ा जिले को 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 133 करोड़ की लागत के तामिया-जुन्नारदेव मार्ग, नल जल योजना के कार्य, पुलिस आवास गृह, माध्यमिक विद्यालय भवन और छात्रावास सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के लिए नया भवन बनाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना की 157 करोड़ की राशि का अंतरण किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ भी वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैत्र नवरात्रि की महा अष्टमी के दिन छिंदवाड़ा में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कन्या पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रदेशवासियों को दी महाअष्टमी और श्रीराम नवमी की मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को लगभग 500 करोड़ और पांढुर्णा को 350 करोड़ से अधिक की अनुपम सौगात मिली है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के पास जामसांवली में श्री हनुमान लोक के लोकार्पण का सौभाग्य मिला। भगवान श्री हनुमान के बिना तो रामराज्य भी अधूरा सा लगता है। हमारा शासनकाल भगवान श्रीराम के राज्य जैसा होना चाहिए। राज्य सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद अब मध्यप्रदेश के पवित्र चित्रकूट धाम को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। विरासत को विकास से जोड़ते हुए प्रदेश में श्रीराम गमन पथ का कार्य जारी है। उज्जैन में बाबा महाकाल, जामसांवली श्री हनुमान धाम, सतना की शारदा मैया जैसे अनेक प्रसिद्ध धर्म स्थलों में महत्वपूर्ण तीर्थ होने के नाते सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक कर्मयोगी की तरह प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। पांढुर्णा में आज श्री हनुमान लोक का लोकार्पण होने के साथ ही दूसरे चरण के कार्यों की भी घोषणा की गई है। छिंदवाड़ा के जनजातीय अंचलों के लिए 84 उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए विद्यालय और छात्रावास की भी सौगात मिली है। तामिया-जुन्नारदेव सड़क 2 जिलों को जोड़ रही है। छिंदवाड़ा में एयरपोर्ट के विकास से क्षेत्र की एक अलग पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के कल्याण के लिए 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। छिंदवाड़ा कॉर्न (मक्का) सिटी है। छिंदवाड़ा जिले में आज 350 करोड़ से अधिक लागत के सिर्फ लोकार्पण हुए हैं। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जय दुअरानाथ उत्सव समिति जवा द्वारा मनाया गया भव्य श्रीराम जन्मोत्सव

जुलूस एवं भव्य शोभायात्रा के भक्तिमय माहौल में उमड़ा जनसैलाब

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा । राम नवमी के पावन अवसर पर जय दुअरानाथ उत्सव समिति जवा द्वारा जवा शहर में भव्य जुलूस एवं शोभायात्रा निकाली गई। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजसेवी, महिलाएं, युवा और बच्चे शामिल हुए, जिससे पूरा नगर भक्तिमय के रंग में रंग गया।

जुलूस में भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकियां के साथ डीजे के धुन में श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। मार्ग में मनीष वस्त्रालय, किसन कलेक्शन और व्यापार मंडल जवा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता के द्वारा नाश्ते पानी की व्यवस्था कर जुलूस पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

उक्त जुलूस जगदीश्वरम पैलेश से शुरू होकर जवा सितलहा, यूनियन बैंक जवा से होते हुए रामबाग के रास्ते दुअरानाथ मंदिर में जाकर समापन हुआ। जहा पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान जवा पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे जिसमे थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू ने स्वयं मोर्चा संभाल कर लोगो को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके जुलूस निकालने की अपील की। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों ने राम नवमी पर्व को भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश देता है। जुलूस एवं शोभायात्रा के दौरान जवा व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, मोतीलाल सोनी, समाजसेवी बीडी पांडेय, जटाशंकर द्विवेदी, पूरनमल साहू, मोहित लाल गुप्ता ,राजकुमार द्विवेदी, विजय गुप्ता, प्रभात गुप्ता, शतानंद मिश्रा,अमर बहादुर गुप्ता,बरौली सरपंच कुशल सिंह, विनोद मिश्रा,राहुल गुप्ता, अन्नू गुप्ता, मुकेश गुप्ता,सूरज मिश्रा, विकास सिंह, अमन गुप्ता, जय नारायण कुशवाहा, सत्यम गुप्ता, विनीत मिश्रा, विनोद पांडे, हरिशंकर साहू, विकाश सिंह, प्रिंस गुप्ता, ललित गुप्ता, रोहित गुप्ता, सुचित गुप्ता,अभी मिश्रा,रमेशबाबू गुप्ता, शिवम हलवाई, मनीष गुप्ता, सिद्धदेव विश्वकर्मा,संतोष हलवाई, प्रकाश मिश्रा, किशन गुप्ता, अभिषेक सिंह एसआई शैलेन्द्र सिंह,पुलिस आरक्षक सूरज सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, सहित समस्त जय दुअरानाथ उत्सव समिति जवा के सदस्य उपस्थिति रहे।

धर्मान्तरण न करने पर फोटो वाइरल करने वाले आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को जवा पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

लव जिहाद का था मामला

देनिक रेवांचल टाइम्स जवा। मामला रीवा जिला अंतर्गत जवा थाना क्षेत्र का है जहा पर फरियादिता ने जवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी अनीश मोहम्मद खान पिता अजमुल्ला खान उम्र 50 वर्ष निवासी चौखण्डी थाना अतरैला जिला रीवा, हाल पता कटनी द्वारा मुझे ब्लैकमेल कर व धर्म परिवर्तित कराने तथा जान से मारने की धमकी दे रहा है। फरियादिता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2022 में मेरी और मेरी बेटी की तबियत खराब थी तब झोलाछाप आरोपी डॉक्टर इलाज करने के लिए मेरे घर आता था उसी दौरान कुछ नशीली दवाइयां देकर मेरी अश्लील फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने लगा और वह शारीरिक संबंध बनाने की धमकी देने लगा। इसके बाद लगातार वर्ष 2022 से मेरे साथ में दुष्कर्म करता रहा। फिर मैंने 22/08/2024 को इसकी रिपोर्ट जवा थाने में की तो उसकी गिरफ्तारी भी हुई थी, वह जेल से छूटने के बाद भी जवा में मेरे कमरे में पिछले साल मई के महीने में आकर मुझे धर्म परिवर्तन की धमकी देने लगा और मुझे एक ताबीज और एक लाकेट तथा कागज में कुछ उर्दू में लिखा हुआ तांत्रिक कागज दिया और कहने लगा इसे पहन लो तो सदा के लिए मेरी हो जाओगी और बोला कि तुम अपने पति से तलाक ले लो, मेरे साथ रहो मुस्लिम धर्म में और मुस्लिम धर्म का पालन करो, नमाज पढ़ो, बिंदी मत लगाओ, सिंदूर मत लगाओ और मुझे बुरका पहनाने का प्रयास करने लगा, तो मैंने मना कर दिया मैंने कहा मैं यह सब कुछ भी नहीं करने वाली हूं तुम यहाँ से चले जाओ नहीं तो मैं थाना में रिपोर्ट कर दूंगी, तब अनीश मोहम्मद ने कहा यदि तुम ऐसा नही करोगी तो मैं तुम्हारे परिवार को जान से खत्म कर दूंगा और तुम्हारे सारे न्यूड फोटो सोशल मीडिया में वायरल कर दूंगा। मैं उसके बहकावे में नहीं आयी तो कुछ दिनो बाद मेरी अश्लील फोटो अपने मो.न. 9625572347 व 9129607027 के व्हाट्सप के स्टेटस के माध्यम से वायरल कर रहा हैं। जिससे मेरा परिवार व समाज में रहना मुश्किल हो गया है। उसकी कुछ रिकार्डिंग भी है जिसमे धमकिया दे रही है। जिसकी शिकायत पर दिनांक- 24/03/2026 को जवा थाने में अपराध क्र. 54/2026 धारा 351(2).351(3) बीएनएस 67 आई टी एक्ट, 3/5 म.प्र.धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहा से उसे जेल भेज दिया गया। उक्त मामले की विवेचना जवा थानां प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू ने की है। उक्त कार्यवाही में जवा थानां प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू, एसआई शैलेन्द्र सिंह,प्रधान आरक्षक अखिलेश्वर सिंह, आरक्षक सूरज सिंह और अभिषेक त्रिपाठी की सराहनीय भूमिका रही।

विद्यार्थियों के जीवन से हो रहा खिलवाड़

प्रतिभा को पंख लगने मे रोरा बन रही अंदेखी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले की शिक्षा व्यवस्था अपना परचम लहरा रही है। शिक्षा के क्षेत्र मे जिले की प्रतिभा प्रदेश में अव्वल है। लेकिन बरमान क्षेत्र मे शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा नेताओं की अनदेखी के कारण प्रतिभा का दमन हो रहा है। जबकि शिक्षा किसी भी लोक कल्याणकारी राज्य और सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि पूर्णतया शिक्षित समाज ही राष्ट्रीय विकास और राष्ट्रीय चरित्र के लिए सुयोग्य नागरिकों का निर्माण कर सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षा के क्षेत्र में कभी अग्रणी रहा बरमान आज भी एक अदद सरकारी हायर सेकेंडरी विद्यालय की स्थापना के लिए तरस रहा है। सबसे अधिक आश्चर्य की बात यह है कि प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री स्वयं इसी जिले से हैं और जिले के तमाम बड़े अधिकारी व नेतागण आए दिन मां नर्मदा के दर्शन हेतु बरमान पहुंचते हैं, लेकिन आस्था के इस केंद्र पर बच्चों की शिक्षा की बदहाली किसी को दिखाई नहीं देती।

सांसद की घोषणा रह गई खाली : विगत 1 नवंबर 2015 को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में तत्कालीन सांसद ने बरमान में अगले ही सत्र से 11वीं और 12वीं की कक्षाएं शुरू कराने की सार्वजनिक घोषणा की थी। मगर इस घोषणा के वर्षों बीत जाने के बाद भी जिला प्रशासन के अधिकारियों की कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं आया। इस मसले पर विगत सालों में युवा जागरूक नागरिक महेंद्र सिंह कौरव भी शिक्षा महकमे की इस चूक पर खेद व्यक्त करते हुए मांग उठा चुके हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इसके लिए किसी विधानसभा की मंजूरी या बड़े भारी-भरकम प्रस्ताव की आवश्यकता नहीं थी, केवल प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नेक नियत की जरूरत थी। आए दिन नर्मदा तट पर माथा टेकने वाले नेताओं और अधिकारियों की मंशा की कमी यहाँ साफ दिख रही है।

शिक्षक संघ लगाया भेदभाव के आरोप : नवीन शिक्षक संघों शिक्षक संगठनों ने इस स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि जिले में शिक्षा के नाम पर अरबों-खरबों का बजट खर्च होने के बावजूद पवित्र नगरी बरमान कला और बिलहरा जैसे बड़े केंद्रों में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की सुविधा न देना एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। तपोस्थली बरमान घाट के साथ आजादी के सात दशकों बाद भी शिक्षा विभाग का सौतेला व्यवहार जारी है। जैसे-तैसे हाई स्कूल तो खोला गया, लेकिन पर्याप्त छात्र संख्या होने के बावजूद इसे उन्नत नहीं किया गया, जो होनहार विद्यार्थियों के साथ खुला अन्याय है। प्रशासन को चाहिए की व्यवस्थाओं के अनुरूप विषय बढ़ाकर उच्चतर शिक्षा मे वृद्धि की जावे।

प्रतिभाओं का हो रहा नुकसान :
जिला अभिभावक संघ ने शिक्षा महकमे की एक और बड़ी विसंगति पर प्रकाश डाला है। आमगांव, सालीचैका, झामर, केरपानी जैसे करीब आधा दर्जन हायर सेकेंडरी विद्यालयों में केवल कला संकाय के विषय ही संचालित हैं। इन स्कूलों में प्राथमिकता के आधार पर गणित, विज्ञान और कॉमर्स जैसे आधुनिक व व्यावसायिक विषयों को खोलने से गुरेज किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले में ही इतनी बड़ी विषमताओं का होना राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। बरमान धार्मिक तीर्थ तथा आवादी के अनुसार सभी विषयों की शिक्षा होना अनिवार्य है परन्तु जिले की राजनीति की उपेक्षा का शिकार बरमान को बनाया जा रहा है। वही नेताओं द्वारा मंच से भाषण देकर इतिश्री कर ली जाती है जो कि प्रतिभा का सीधा सीधा हनन है। बरमान के बाशिंदों, प्रबुद्ध नागरिकों और जागरूक युवाओं ने स्कूल शिक्षा मंत्री, जनप्रतिनिधियों एवं उन तमाम नर्मदा भक्त अधिकारियों से मांग की है जो अक्सर यहाँ आते हैं, कि आगामी शैक्षणिक सत्र से ही बरमान में 11वीं और 12वीं की कक्षाएं अनिवार्य रूप से प्रारंभ की जाएं। साथ ही जिले भर के केवल कला संकाय वाले विद्यालयों में अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विद्यार्थियों के साथ न्याय किया जाए। सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक और ईमानदारी भरे प्रयासों की आज नितांत आवश्यकता है। बहरहाल इस मुद्दे पर जिला प्रशासन और जिला शिक्षा अधिकारी से संवाद स्थापित नहीं हो सका है। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा उक्त संबंध मे क्या कदम उठाया जाता है।

ग्राम बांड़ी में भक्तिमय भाव से हुई श्रीमद भागवत कथा सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। चैत्र नवरात्र पर्व में नर्मदांचल क्षेत्र के ग्राम बांड़ी (बीकोर) में सप्तमी तिथि में कथा का हुआ विश्राम, खेड़ापति मंदिर निर्माण व नवरात्रि महोत्सव पर्व पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन रखा गया था, कथा व्यास श्री कृष्णा अनुरागी पंडित अभिषेक

कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। उक्त भागवत कथा का आयोजन समिति अध्यक्ष गजराज नोरिया की अध्यक्षता में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया ग्राम बीकोर नई दिशा समिति अध्यक्ष नेतराम नोरिया उपाध्यक्ष रूप सिंह नोरिया एवं समस्त समिति का विशेष सहयोग रहा। कथा के मुख्य यजमान राजाराम नोरिया रहे एवं समस्त ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में श्रद्धा व भक्तिभाव से कथा श्रवण की। नर्मदातटीय क्षेत्र के गांवों में सम्पूर्ण भक्तिभाव से ग्रामीणों के द्वारा किये जाने वाले ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में सुख समृद्धि सहित धर्म के प्रति लोगों की आस्था का प्रतीक है।

बकरी चोरी के आरोपी को 24 घंटे में पकड़कर भेजा जेल

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा । जिले के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरौड़ा गांव से 24/03/26 को अज्ञात चोरों ने घर के बाड़े से 1 बकरी और 1 बकरा चुराकर फरार हो गए थे जिसकी रिपोर्ट फरियादी चिंतामणि सोनकर निवासी पथरौड़ा थाना जवा जिला रीवा ने दिनांक 25/03/26 को जवा थाने कराई थी शिकायत पर जवा थाने में अपराध क्रमांक 55/26 धारा-331, 305(ं) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान संदेश के आधार पर राधेश्याम चर्मकार उर्फ सोनू पिता भुसाल निवासी भक्ता टोला गढ़ी रोड को पकड़कर पूछताछ की गई तो पूछताछ के दौरान राधेश्याम ने अपना जुर्म कबूल कर बताया कि उक्त कार्य मे मेरा साला जितेन्द्र साकेत निवासी लोनी पाठ बहेरा, थानां जनेह भी साथ में था। जिसे दिनांक 26/03/26 को राधेश्याम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहा से जेल भेज दिया गया। उक्त कार्यवाही में जवा थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू, एसआई शैलेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक अखिलेश्वर सिंह, प्रधान आरक्षक दुर्गा मिश्रा, आरक्षक सूरज सिंह, आरक्षक अभिषेक त्रिपाठी की भूमिका सराहनीय रही।

पैरोल से फरार बंदी राजस्थान से गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। केंद्रीय जेल नरसिंहपुर से पैरोल पर बाहर निकलने के बाद आठ महीने से फरार चल रहे आजीवन कारावास के शातिर बंदी धनराज पिता मंगल सिंह को पुलिस ने राजस्थान के अलवर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। बलात्कार के गंभीर मामले में सजा काट रहे इस अपराधी पर पुलिस द्वारा 30,000 रुपये का नगद इनाम घोषित किया गया था। मूलतः छिंदवाड़ा जिले के ग्राम पाथरी का निवासी यह बंदी जून 2025 में 16 दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन निर्धारित तिथि 13 जुलाई 2025 को वापस लौटने के बजाय वह फरार हो गया। जेल अधीक्षक की सूचना पर थाना स्टेशन गंज में मामला दर्ज कर पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई थी। आरोपी अपनी पहचान छुपाने के लिए वह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न शहरों में लगातार ठिकाने बदलता रहा और किसी भी स्थान पर 8-10 दिन से अधिक नहीं रुकता था। फरारी के दौरान वह मजदूरी करता था और ऐसे स्थानों का चयन करता था जहाँ उसे निःशुल्क भोजन मिल सके। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से मथुरा और वृंदावन सहित कई संभावित ठिकानों पर सघन दबिश दी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी राजस्थान के अलवर जिले के एक गांव में छिपा है। पुलिस की भनक लगते ही आरोपी भागने की फिराक में रेलवे स्टेशन पहुँच गया, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने प्रभावी घेराबंदी कर उसे अलवर स्टेशन पर ही धर दबोचा। इस चुनौतीपूर्ण कार्रवाई में निरीक्षक किशोर वामनकर, उनि अनिल अजमेरिया, गौरव नोमा और उनकी टीम के साथ राजस्थान पुलिस के आरक्षक मानसिंह चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुष्कर्म के आरोपी को न्यायालय में किया पेश,भेजा गया जेल

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा। रीवा जिले के जवा थानां पुलिस लगातार एक के बाद एक कार्यवाही करती नजर आ रही है इसी कड़ी में जवा पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी अनिल कुमार आदिवासी पिता लल्लू प्रसाद आदिवासी निवासी सोनाडावर थाना जनेह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि जनवरी के महीने में आरोपी ने जवा थानां क्षेत्र की नाबालिग युवती को बहला फुसलाकर बाहर ले गया था शिकायत पर जवा थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 20/26 धारा 137(3),65(ं), 64(2),69 इठर व 5/6 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गया। इसके बाद जवा पुलिस ने युवती को दस्तयाब कर लिया था लेकिन आरोपी फरार हो गया था जिसे दिनांक 26/03/26 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहा से आरोपी को जेल भेज दिया गया।उक्त कार्यवाही में जवा थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू, एसआई शैलेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक अखिलेश्वर सिंह, प्रधान आरक्षक दुर्गा मिश्रा, आरक्षक सूरज सिंह, आरक्षक अभिषेक त्रिपाठी की भूमिका सराहनीय रही।

जंगली सुअर से टकराई बाइक, एक की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बीती रात थाना क्षेत्र स्टेशनगंज में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा साथी घायल हो गया। यह दुर्घटना उस समय हुई जब अचानक सड़क पर आए एक जंगली सुअर से बाइक टकरा गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात गाडरवारा के विवेकानंद वार्ड (बाबा टोला) निवासी मंगलदास (48 वर्ष) अपने साथी आलोक पचैरी के साथ बाइक से जबलपुर की ओर जा रहे थे। बासनपानी गांव के समीप अचानक एक जंगली सुअर सड़क पर आ गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर उससे टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी राहगीरों के माध्यम से मृतक के भाई कमलदास को मिली। सूचना मिलते ही परिजन रात करीब 11 बजे घटनास्थल और फिर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के उपरांत मंगलदास को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चैकी में मर्ग कायम कर लिया गया है और अग्रिम कार्रवाई हेतु डायरी गाडरवारा थाने भेजी जा रही है।

उत्कृष्ट रहा सरस्वती विद्यालय का परीक्षा परिणाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस पूर्व प्राथमिक एवं माध्यमिक बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित हुये जिसमें सरस्वती उ.मा.विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्राथमिक बोर्ड परीक्षा कक्षा 5 वी एवं 8 वीं के परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की। विद्यार्थियो की सफलता पर विद्यालय प्रबंधन समिति,संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी,प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर ,राजेन्द्र पटेल परीक्षा प्रभारी श्रीमती संगीता नामदेव,जितेन्द्र पटेल ,श्रीमती सोमजया मिश्रा, ईश्वरदास बैरागी एवं आचार्य परिवार ने शुभकामनाऐ दी।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers
Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

चमकते मॉल के भीतर लापरवाही का अंधेरा: विशाल मेगा मार्ट पर निगम का शिकंजा, 1 लाख का जुमार्ना

इमरजेंसी एग्जिट बंद, फायर सिस्टम निष्क्रिय, नियमों की खुली अनदेखी.. राम प्रकाश अहिरवार की सख्ती से बड़े प्रतिष्ठानों में हड़कंप, 15 दिन में सुधार नहीं तो सीलिंग तय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में चमकते शोरूम, सजे-धजे मॉल और आकर्षक ऑफर्स के बीच एक कड़वी सच्चाई लगातार सिर उठा रही है...जनसुरक्षा और स्वच्छता जैसे बुनियादी मानकों की अनदेखी। लेकिन इस बार सिस्टम ने सिर्फ नोटिस देने तक खुद को सीमित नहीं रखा। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के नेतृत्व में प्रशासन ने जिस तरह बड़े बकायेदारों और नियम तोड़ने वाले प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू की है, उसने शहर के व्यावसायिक हलकों में हलचल मचा दी है...और यह सख्ती, वाकई, सराहनीय है। शुक्रवार को नेपियर टाउन स्थित विशाल मेगा मार्ट पर हुई संयुक्त कार्रवाई इसी मुहिम का हिस्सा थी। अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान की मौजूदगी में अग्निशमन, स्वास्थ्य और भवन शाखा की टीम जब मौके पर पहुंची, तो सामने आया नजारा केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक संभावित हादसे की पूरी पटकथा जैसा था। इमरजेंसी एग्जिट...जो जान बचाने का रास्ता होता है...उसे सामान से पाट दिया गया था। सोचिए, अगर किसी दिन आग लग जाती, भगदड़ मचती...तो क्या होता? यह सवाल केवल प्रशासन के लिए नहीं,

बल्कि उस हर ग्राहक के लिए है जो रोज ऐसे प्रतिष्ठानों में बेखौफ खरीदारी करता है। अग्निशमन उपकरण, जो संकट की पहली ढाल माने जाते हैं, वे खुद ह्यमृतह्न अवस्था में मिले...डिस्चार्ज, निष्क्रिय और उपयोग लायक नहीं। यानी सुरक्षा के नाम पर सिर्फ दिखावा। बिजली के पॉइंट्स के पास ज्वलनशील सामान का अंबार इस बात का प्रमाण था कि यहां किसी भी वक्त एक छोटी सी चिंगारी बड़ी त्रासदी में बदल सकती थी। भवन उपयोग में भी नियमों को ताक पर रखा गया...स्वीकृत नक्शे के विपरीत उपयोग, साइड मार्जिनल स्पेस का अतिक्रमण और पार्किंग व्यवस्था का अभाव साफ बताता है कि मुनाफे के सामने नियम बौने पड़ गए हैं। स्वच्छता की स्थिति भी बेहतर नहीं थी...डस्टबिन की कमी और परिसर में फैली गंदगी यह दशार्ती है कि ह्यकस्टमर एक्सपीरियंसह्न का दावा करने वाले ये प्रतिष्ठान बुनियादी सफाई तक सुनिश्चित नहीं कर पा रहे। इन तमाम खामियों पर नगर निगम ने 1 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है और 15 दिन का अल्टीमेटम जारी किया है। लेकिन इस कार्रवाई का असली महत्व जुमार्ने में नहीं, बल्कि उस संदेश में है जो शहर भर के बड़े प्रतिष्ठानों तक गया है...अब नियमों से समझौता नहीं चलेगा। दरअसल, नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा हाल के दिनों में बड़े बकायेदारों और नियम तोड़ने वाले प्रतिष्ठानों पर जिस तरह लगातार और तेज कार्रवाई की जा रही है, वह न सिर्फ प्रशासनिक इच्छाशक्ति को दशार्ती है, बल्कि यह भी बताती है कि सिस्टम अब ह्यकागजी सख्तीह्न से आगे बढ़ चुका है। शहर में लंबे समय से यह धारणा बन चुकी थी कि बड़े ब्रांड और बड़े बकायेदार कार्रवाई से बच जाते हैं, जबकि छोटी दुकानों पर सख्ती दिखाई जाती है। लेकिन मौजूदा कार्रवाई ने इस धारणा को चुनौती दी है। यह सख्ती सिर्फ एक प्रतिष्ठान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए...बल्कि इसे एक सतत अभियान का रूप देना होगा। क्योंकि सवाल केवल नियमों का पालन कराने का नहीं, बल्कि शहरवासियों की सुरक्षा और भरोसे का है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है...क्या अन्य बड़े प्रतिष्ठान खुद ही सुधरेंगे, या उन्हें भी इसी तरह की ह्यदबिशह्न का इंतजार है? फिलहाल, नगर निगम की यह मुहिम एक सकारात्मक संकेत जरूर देती है...कि अगर इरादे मजबूत हों, तो सिस्टम सिर्फ चेतावनी देने वाला नहीं, बल्कि कार्रवाई करने वाला भी बन सकता है।

लार्डगंज पुलिस का बड़ा एक्शन: 12 चोरी की बाइक बरामद, गिरोह का पदार्फाश

थाना प्रभारी नवल आर्य के नेतृत्व में सटीक कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं के बीच लार्डगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में 12 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जबकि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

रणनीति, सतर्कता और नेतृत्व का मिला परिणाम

पूरे ऑपरेशन में थाना प्रभारी नवल आर्य की भूमिका केंद्रीय रही। सूचना संकलन से लेकर दबिश और बरामदगी तक, हर चरण में योजनाबद्ध ढंग से कार्रवाई की गई। टीम को स्पष्ट दिशा और निरंतर निगरानी के साथ संचालित किया गया, जिसका परिणाम कम समय में बड़ी सफलता के रूप में सामने आया।

गिरफ्तार आरोपी और खुलासा

पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वे हैं–
कासिम खान (25 वर्ष), निवासी न्यू आनंद नगर, गोहलपुर
फैजान (23 वर्ष), निवासी हनुमानताल क्षेत्र
पूछताछ के दौरान आरोपियों ने शहर के विभिन्न इलाकों से लगातार वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। इससे स्पष्ट हुआ कि यह एक संगठित गिरोह था, जो सुनियोजित तरीके से वारदातों को अंजाम दे रहा था।

बरामद मोटर साइकिलों का विवरण

पुलिस द्वारा जब्त किए गए 12 वाहनों के नंबर इस प्रकार हैं–
MP20-SN-7110
MP49-M-9528
MP20-UA-4288
MP20-ST-4577
MP20-NQ-5681
MP09-QT-9499
MP20-ST-8958
MP20-SR-8581
MP20-SN-3623
MP20-SW-6552
MP21-MQ-4836
MP20-MY-2837
ये सभी वाहन शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से चोरी किए गए थे।

तकनीकी जांच से मजबूत होगा केस

पुलिस ने बरामद वाहनों के चेसिस और इंजन नंबर का सत्यापन भी शुरू कर दिया है, जिससे प्रत्येक वाहन को संबंधित प्रकरण से जोड़ने में मदद मिलेगी। यह प्रक्रिया न्यायालय में सशक्त साक्ष्य प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कानूनी कार्रवाई जारी

आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न अपराध क्रमांकों के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही पुलिस अन्य संभावित मामलों के खुलासे के लिए आरोपियों से पूछताछ जारी रखे हुए है।

पुलिस टीम की सराहनीय कार्यशैली

इस पूरे ऑपरेशन में थाना लार्डगंज के अधिकारी एवं कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा। विशेष रूप से थाना प्रभारी नवल आर्य की कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता और सक्रियता ने इस कार्रवाई को सफलता तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाई।

जनता के लिए भरोसे का संदेश

लार्डगंज पुलिस की यह कार्रवाई न केवल अपराधियों के लिए कड़ा संदेश है, बल्कि आम जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास को भी मजबूत करती है। यह साबित करता है कि जब थाना स्तर पर नेतृत्व मजबूत और कार्रवाई प्रभावी हो, तो अपराध पर नियंत्रण संभव है।

शिक्षा और संस्कारों का संगम है पुस्तक मेला: श्री रत्नेश सोनकर

तृतीय राज्य स्तरीय पुस्तक मेला के तीसरे दिन गणमान्य अतिथियों का हुआ आगमन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में आयोजित तृतीय 'पुस्तक मेला 2026' के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा शहर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश, भोपाल के उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

नवाचार और विजन की सराहना

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री रत्नेश सोनकर ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी के विजन और कार्यशैली की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री सोनी ने जब इस पुस्तक मेले की परिकल्पना की थी, तब उनका उद्देश्य सभी शैक्षणिक सामग्रियों को एक ही स्थान पर सुलभ कराना था। श्री सोनकर ने रेखांकित किया कि जब कोई कार्य पवित्र भाव और स्पष्ट विजन के साथ शुरू किया जाता है, तो उसे न केवल समाज बल्कि सरकार भी सहर्ष स्वीकार करती है। यही कारण है कि जबलपुर की इस प्रभावी कार्यपद्धति को अब पूरे मध्य प्रदेश में अपनाया जा रहा है और शासन व प्रशासन इसे निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विशिष्ट अतिथि श्री श्रीनिवास राव के प्रेरणादायी उद्बोधन और उनके मार्गदर्शन की भी प्रशंसा की।

अभिभावकों को मिली बड़ी राहत

श्री सोनकर ने कहा कि वर्ष 2024 से प्रारंभ हुई यह पहल अभिभावकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को उचित और कम दामों पर उच्च गुणवत्ता वाली कॉपियां व किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह आयोजन अपनी सफलता के साथ लगातार तीसरे वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। मेले में कॉपियों पर 50% तक की भारी छूट और जरूरतमंद बच्चों के लिए संचालित 'बुक बैंक' के प्रति आम जनता में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सम्मान

मेले के तीसरे दिन भी स्कूली बच्चों द्वारा दी गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं और ओलंपियाड में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिला प्रशासन और आयोजक समिति ने शहरवासियों से अपील की है कि आगामी 5 अप्रैल तक चलने वाले इस ज्ञान के उत्सव में सपरिवार पहुँचकर लाभ उठाएं।

जबलपुर में जिन डॉक्टर का हो गया निधन, उनके मोबाइल से आईएमए अध्यक्ष को मैसेज भेजकर अपहरण की धमकी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। राइट टाउन निवासी डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की संपत्ति विवाद और मौत से जुड़े घटनाक्रम में अब नया घटना सामने आई है। डॉ. श्रीवास्तव के मोबाइल फोन से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की स्थानीय शाखा की अध्यक्ष को लगातार धमकी भरे अंदाज में उलाहना के संदेश पहुंच रहे हैं। आईएमए अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा को नए भेजे गए संदेश में अत्याचारी बताते हुए अपहरण की धमकी दी गई है। डॉ. श्रीवास्तव के मोबाइल फोन से भेजे गए कुछ संदेशों में डॉ. सुमन अग्रवाल, डॉ. मुखर्जी, डॉ. तरुण के नामों का भी उल्लेख है। डॉक्टरों को सफेदपोश षड्यंत्रकारी बताया गया है। मामले में बुधवार की रात को मदन महल थाना में एफआईआर पंजीबद्ध की गई है। आईएमए अध्यक्ष का आरोप है कि उन्हें यह संदेश डॉ हेमलता के मोबाइल नंबर से छोटी बहन कनकलता मिश्रा भेज रही है। डॉ. हेमलता का मोबाइल माउंटआबू निवासी कनकलता के पास है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जबलपुर में एलपीजी संकट के बीच प्रशासन का प्लान बी, अब हो रही कोयले की तलाश

जबलपुर। जबलपुर शहर में रसोई गैस की किल्लत को देखते हुए प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अब कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है। हालात बिगड़ने की आशंका के बीच कोयले का स्टाक तलाशने में जिला प्रशासन जुट गया है। इसकी जिम्मेदारी जिले के खनिज विभाग को दी गई है, जिसके बाद विभाग के खनिज अधिकारियों ने जबलपुर के साथ आसपास के जिलों उमरिया, नरसिंहपुर और सीधी समेत अन्य क्षेत्रों में कोयला सप्लायरों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इन जिलों में उपलब्ध कोयले की आपूर्ति को जरूरत पड़ने पर जबलपुर तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। जबलपुर में भी कोयला विक्रेताओं से प्रशासन लगातार संपर्क में है। शहर में कम धुएं वाले कोयले की मांग अधिक बताई जा रही है, क्योंकि यह घरेलू उपयोग के लिए अपेक्षाकृत बेहतर माना जाता है। जिला प्रशासन इस बात पर भी ध्यान दे रहा है कि यदि कोयले का उपयोग बढ़ता है, तो उससे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर कम से कम असर पड़े। घरेलू उपयोग के लिए कम धुएं वाले कोयले की मांग अधिक है, क्योंकि इससे प्रदूषण अपेक्षाकृत कम होता है और रसोई में उपयोग भी आसान रहता है। ऐसे में यदि गैस की किल्लत और बढ़ती है, तो कोयला एक अहम विकल्प बन सकता है। खनिज विभाग द्वारा संबंधित विभागों और सप्लायरों के बीच समन्वय बनाकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। इस पर अधिकारियों का कहना है कि यह केवल एहतियातन उठाया गया कदम है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जा सके। जबलपुर में पिछले एक सप्ताह से रसोई गैस की सप्लाई में बाधा, कंपनियों के भुगतान और वितरण से जुड़े नियमों की जटिलता के चलते शहर में सिलिंडर की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसके चलते कई परिवार पहले ही चूल्हा, कंडे और इलेक्ट्रिक उपकरणों जैसे वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर चुके हैं।

जबलपुर में आग का दोहरा खतरा: गुरंदी बाजार में तबाही, एसपी बंगले के पास सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

गर्मी की शुरूआत में ही दो घटनाएं...कहीं सिस्टम की देरी भारी पड़ी, तो कहीं तत्परता ने बचाई जान-माल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में आग की दो अलग-अलग घटनाओं ने एक ही दिन में दो तस्वीरें साफ कर दीं...एक, जहां व्यवस्था की धीमी रफ्तार ने लाखों का नुकसान करवा दिया, और दूसरी, जहां कुछ मिनटों की सूझबूझ ने बड़े हादसे को टाल दिया। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात गुरंदी बाजार में भीषण अग्निकांड ने व्यापारियों को झकझोर दिया, तो शुक्रवार शाम सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पास चलती कार में लगी आग ने कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना दिया।

गुरंदी बाजार: आधी रात में धधकी आग, लाखों का माल खाक– गुरंदी बाजार में रात करीब 1:30 बजे अगरबत्ती के थोक कारोबारी सत्यम चौकसे की दुकान और गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन आग बुझाने से पहले बिजली कनेक्शन काटने में करीब आधे घंटे की देरी ने हालात को और बिगाड़ दिया। दुकान में नवरात्र के चलते भारी मात्रा में अगरबत्ती और नारियल की रस्सी का स्टॉक मौजूद था...दोनों ही अत्यंत ज्वलनशील। नतीजा यह हुआ कि आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक करीब 15 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो चुका था। राहत की बात यह रही कि आग आसपास की दुकानों तक नहीं फैल सकी।

सिविल लाइन: चलती कार में आग, पुलिस की तत्परता बनी ढाल– उसी दिन शाम करीब 5 बजे, सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पास एक चलती सफेद ब्रेजा कार (टढ 20`ख 0374) में अचानक आग लग गई। चालक ने तुरंत कार रोककर खुद को सुरक्षित कर लिया, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यहां तस्वीर अलग थी। एसपी बंगले में तैनात पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए फायर एक्सटिंग्विशर और पानी की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया। आरक्षक शिवराज, सौरभ तिवारी, दीपक कनौजिया, मुकेश परिहार और पवन तिवारी की तत्परता के चलते महज 15-20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

गर्मी की दस्तक और बढ़ता खतरा– जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे आग लगने की घटनाएं भी बढ़ने लगती हैं। जबलपुर में सामने आई ये दोनों घटनाएं महज संयोग नहीं, बल्कि आने वाले दिनों की चेतावनी हैं। गर्मी के मौसम में ज्वलनशील सामग्री, बिजली का ओवरलोड और छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे में बदल सकती है। गुरंदी बाजार की घटना जहां व्यवस्थागत देरी और जोखिम भरे स्टॉक का परिणाम है, वहीं सिविल लाइन की घटना यह बताती है कि सतर्कता और त्वरित निर्णय से नुकसान को रोका जा सकता है।

हादसे नहीं, चेतावनी हैं ये घटनाएं– अब सबसे बड़ा सवाल यही है... क्या हम हर बार हादसे के बाद ही जागेंगे? गुरंदी बाजार में आग बुझाने से पहले आधे घंटे तक बिजली कटने का इंतजारङ्क्या यह प्रक्रिया जरूरी थी या लापरवाही? क्या ऐसे व्यावसायिक इलाकों में पहले से कोई आपात योजना नहीं होनी चाहिए? और अगर है, तो फिर जमीन पर क्यों नहीं दिखती? सिविल लाइन की घटना ने यह भी साबित कर दिया कि अगर मौके पर मौजूद लोग जिम्मेदारी लें, तो बड़ी से बड़ी आग भी काबू में लाई जा सकती है। लेकिन क्या हर जगह पुलिस जैसी तत्परता मिल पाएगी? सच्चाई यह है कि शहर की आग से लड़ने की तैयारी अभी भी कागजों में ज्यादा और जमीन पर कम नजर आती है।

अब भी वक्त है संभलने का– ये दोनों घटनाएं सिर्फ खबर नहीं हैं...ये एक साफ संकेत हैं कि गर्मी के मौसम में खतरा बढ़ने वाला है। जरूरत है कि प्रशासन, व्यापारी और आम नागरिक...तीनों अपनी जिम्मेदारी समझें। क्योंकि आग लगने के बाद की कार्रवाई नहीं, आग लगने से पहले की तैयारी ही असली सुरक्षा है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477
Online Form: MP POLICE, MPPSC, UPSC, SSC, RAILWAY, BANK, COLLEGE, RTE SCHOOL, INDIAN ARMY, INDIAN NAVY, NDA, NEET
Document: जीएसटी, पासपोर्ट, ITR Returns, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, रोजगार पंजियन, उद्योग आधार, स्कॉलरशिप फार्म
E-CARD: WEDDING INVITATION, VIDEO, BANNER DESIGN, VISITING CARD, BIRTH DAY INVITATION, INAUGRATION, OTHER E-CARD
Quick Job Apply
बार कोड स्कैन कर, व्हाट्सएप चैनल से जुड़े
सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।
जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म
व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादक: अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592